■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-10 अंक-26
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 28 जुलाई 2025

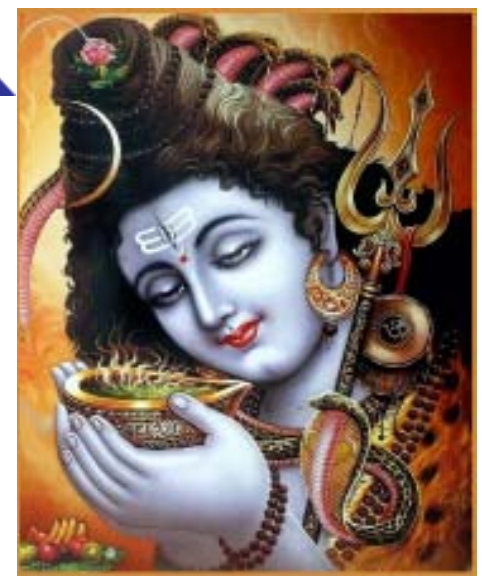

पत्रकारों की बल्ले-बल्ले! मासिक पेंशन 6 हजार से बढ़कर 15 हजार हुई 6

30 जुलाई को विधानसभा पर प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने वीरेन्द्र कुमार को किया है हाऊस अरेस्ट 8

अफवाह बनी जानलेवा, मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 श्रद्धालुओं ने गंवाई जान

उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह एक भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

इस दुखद घटना के बाद राज्य में शोक का माहौल है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, श्रावण मास के चलते मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि भगदड़ मंदिर मार्ग से लगभग 100 मीटर नीचे सीढ़ियों पर बिजली का झटका लगने की अफवाह फैलने के बाद मची। इस अफवाह के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, भगदड़ के सटीक और विस्तृत कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा गहन जाँच जारी है। एसएसपी डोभाल ने जानकारी दी, हमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। लगभग 35 लोगों को अस्पताल लाया गया, और दुर्भाग्यवश, छह लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी है।

मुख्यमंत्री धामी ने लिखा, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मैं इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हूँ और स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। उन्होंने प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज और मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

इस भगदड़ में घायल हुए एक श्रद्धालु ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया, अचानक वहाँ भारी भीड़ जमा हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान मैं गिर गया और मेरा हाथ टूट गया। उनके बयान से घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम योगी ने जताया शोक, मरने वालों में चार लोग यूपी के; परिजनों को आर्थिक सहायता की घोषणा

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में श्रद्धालुओं के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। बता दें कि दुर्घटना में यूपी के चार लोगों की मृत्यु हुई है, जिसमें बरेली निवासी आरुष, रामपुर निवासी विक्की, बाराबंकी निवासी वकील और बदायूं निवासी शांति देवी शामिल हैं।

सीएम ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक और मन को व्यथित करने वाला है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। अधिकारियों को उत्तराखंड सरकार से समन्वय स्थापित कर दुर्घटना में काल-कवलित हुए यूपी के नागरिकों के पार्थिव शरीर उनके गृह जिले पहुंचाकर परिजनों को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इस दुर्घटना में प्रदेश के प्रत्येक मृतक के परिवार को 2-2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

मनसा देवी मंदिर दर्शन जाने वाले पैदल मार्ग पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अचानक भगदड़ मच गई। करीब नौ बजे के आसपास मंदिर की चढ़ाई कर रहे श्रद्धालुओं के बीच किसी ने करंट लगने की अफवाह फैला दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

देखते ही देखते लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। चीख-पुकार के बीच कई श्रद्धालु दब गए। हादसे में एक बच्चे समेत 35 श्रद्धालु घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें आठ श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की गई है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई। हादसे पर सीएम धामी ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने हादसे के मजिस्ट्रियल जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि हादसे में घायल हुए कुल 35 श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल में लाया गया है, जिसमें भगदड़ में आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि अन्य लोग घायल हैं। जिनमें से गंभीर अवस्था वाले मरीजों को हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है।

मंदिर में घुसकर मारी गोली: दिव्यांशी पर हमले से पहले राहुल ने देखी थी सैयारा फिल्म

यूपी के मैनपुरी स्थित मोहल्ला चौथियाना की रहने वाली दिव्यांशी राठौर ने सनकी राहुल दिवाकर की वजह से दो साल खौफ के साए में गुजारे। वर्ष 2022 में हुए हमले की घटना के बाद परिजनों उसे चाचा के पास दिल्ली भेज दिया। बाहर रहने की वजह से उसकी नियमित पढ़ाई भी छूट गई। इस समय वह प्राइवेट तौर पर बीएससी कर रही है। छह माह पहले ही वह घर लौटी थी, आरोपी फिर से पीछा करने लगा था।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौथियाना में शनिवार को मंदिर में पूजा कर रही दिव्यांशी राठौर को तीन गोलियां मारने वाले

आरोपी राहुल दिवाकर को पुलिस ने रविवार को जेल भेजा। उसे घटना के तीन घंटे बाद ही मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया था। वारदात में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद हुआ था। जेल भेजे जाने से पहले उस से पुलिस ने घटना को अंजाम देने के बारे में पूछताछ की।

आरोपी राहुल ने बताया कि वर्ष 2018 से दिव्यांशी के एकतरफा आकर्षण में था। उसकी बातचीत होती थी, 2022 में जब बातचीत बंद हो गई तो, उसने हमले की घटना को अंजाम दिया। समझौता हो गया, मगर दिव्यांशी के परिजन खौफ में आ गए और बेटी को चाचा के पास दिल्ली भेज दिया। बाहर जाने की वजह से दिव्यांशी को अपनी पढ़ाई भी छोड़नी पड़ गई थी।

वह वर्तमान में प्राइवेट तौर पर बीएससी कर रही है।

हमले की घटना को काफी समय बीतने के बाद करीब छह माह पहले ही दिव्यांशी घर लौटी थी। मगर, उसे अंदाजा भी नहीं था कि राहुल उसकी जान लेने का इरादा रखता है। वह नियमित रूप से मंदिर जाती थी। वहीं उसकी शादी की बातचीत के बारे में भी उसे पता लग गया था। इस बात से वह अधिक बौखला गया था। घटना के दो दिन पहले ही उसने दिव्यांशी की हत्या करने की योजना बना ली थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पास तमंचा पहले से ही था। शनिवार को दिव्यांशी के मंदिर में जाते ही वह भी पीछे से गया और मंदिर के गर्भगृह के पट बंद कर गोलियां चला दीं। मरा हुआ समझ कर वह दरवाजा खोल कर वहां से भाग गया था।गिरफ्तारी के बाद आरोपी हंसता हुआ नजर आया। पुलिस की पूछताछ में बताया कि फिल्म सैयारा देखने के बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी राहुल दिवाकर की तलाश के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं। करीब 11:30 बजे करहल रोड पर नगला जुला के पास नाकाबंदी कर पुलिस ने आरोपी राहुल दिवाकर को घेर लिया। राहुल ने पुलिस पर फायरिंग की तो जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इसमें उसके पैर में गोली लगी।गोलियां लगने से घायल दिव्यांशी का मेडिकल कॉलेज सैफई में इलाज चल रहा है। चिकित्सक ने ऑपरेशन कर कंधे में लगी गोली तो निकाल दी है। मगर एक गोली आंत को चीरते हुए रीढ़ की हड्डी में फंस गई है। वह गोली अभी नहीं निकल सकी है। दिव्यांशी अभी आईसीयू में है। परिजन उसे जल्द स्वस्थ होने को लेकर प्रार्थना कर रहे हैं।

बिहार चुनाव: तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे

पटना। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

यादव को हाल में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वह समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। यादव ने शनिवार शाम यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ''हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर दिक्कत होगी।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लोगों का समर्थन प्राप्त है...बड़ी संख्या में लोग सोशल मीडिया मंच 'टीम तेज प्रताप यादव' से जुड़े हैं।'' यादव ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि चाचा (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे अगर वे युवा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे तो तेजप्रताप यादव उनके साथ खड़ा रहेगा।''बिहार के पूर्व मंत्री को उनके पिता लालू यादव ने 25 मई को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। तेज प्रताप यादव द्वारा सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की महिला के साथ 'संबंध' की बात स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।तेज प्रताप यादव ने बाद में सोशल मीडिया मंच फेसबुक से यह पोस्ट हटा दी और कहा था कि उनका पेज ''हैक'' हो गया था। लालू प्रसाद ने यादव के ''गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार'' के कारण उनसे अपना संबंध भी तोड़ लिया।पार्टी से निष्कासन के कुछ दिनों बाद तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि उनके और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच कड़वाहट पैदा करने की ''साजिश'' रची जा रही है।

स्कूल की छत गिरने से 6 छात्रों की मौत, 15 से ज़्यादा घायल, पीएम मोदी ने जताया शोक

राजस्थान के झालावाड़ में शुक्रवार सुबह एक प्राथमिक विद्यालय की इमारत की छत गिरने से छह छात्रों की मौत हो गई और 15 से ज़्यादा घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे कक्षा में थे। पिपलोदी प्राथमिक विद्यालय में मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया और पुलिस, स्थानीय निवासी और अधिकारी मौके पर पहुँच गए। 20 साल पुराने इस स्कूल भवन की छत पत्थर के स्लैब से बनी थी, जिससे इमारत गिरने का असर और भी ज़्यादा हो गया।यह घटना जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में उस समय हुई जब बच्चे सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे। पुलिस को सुबह करीब 7:45 बजे सूचना दी गई। झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया, ''4 बच्चों की मौत हो गई है और 15 अन्य घायल हो गए हैं। दस बच्चों को झालावाड़ रेफर किया गया है, जिनमें से तीन से चार की हालत गंभीर है। इसके बाद दो और बच्चों के मरने की खबरे आयी इससे मरने वाले बच्चों की संख्या 6 हो गयी। पुलिस ने कहा कि बच्चों को शिक्षकों और ग्रामीणों की मदद से मलबे से बाहर निकाला गया। मनोहरथाना के वृत्ताधिकारी नंदकिशोर ने बताया कि गंभीर रूप से घायल दो छात्रों को विशेष स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है।

डांगीपुरा थाने के प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि पिपलोदी गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय में कम से कम 27 छात्र पढ़ रहे थे। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। शर्मा ने कहा, ''घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

उन्होंने कहा ''ईश्वर दिवंगत दिव्य आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति दें।'' शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इस घटना की एक उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को घटनास्थल पर पहुंचने और बच्चों का उचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, झालावाड़ के पिपलोदी गांव में एक स्कूल की छत गिरने से एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। मैंने ज़िला कलेक्टर और शिक्षा अधिकारी को इलाज के सभी प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर और अन्य अधिकारी मौके पर पहुँच गए हैं। राजभवन के प्रवक्ता के अनुसार राज्यपाल बागडे ने हादसे पर शोक जताते हुए ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''झालावाड़ के मनोहरथाना में एक सरकारी स्कूल की इमारत गिरने से कई बच्चों एवं शिक्षकों के हताहत होने की सूचना मिल रही है। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'' नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी हादसे पर शोक जताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राजस्थान में स्कूल की इमारत गिरने की घटना में छात्रों की मौत पर दुख जताया। राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को सुबह एक सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिससे चार बच्चों की मौत हो गयी ।

और 17 अन्य घायल हो गए।

बुलंदशहर में केमिकल रिसाइक्लिंग की फैक्टरी में लगी आग, कई कर्मचारी झुलसे

बुलंदशहर। फैक्टरी में लगी आग को बुझाने के लिए सिकंदराबाद के अलावा बुलंदशहर, खुर्जा व स्याना से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगवाई गईं।यूपी के बुलंदशहर स्थित थाना सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र स्थित शीतल वेस्ट कंपनी में रविवार को आग लग गई। इस फैक्टरी में केमिकल रिसाइक्लिंग होती थी। इस हादसे में कई कर्मचारी झुलस गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने सभी की जान खतरे से बाहर बताई। फैक्टरी में लगी आग को बुझाने के लिए सिकंदराबाद के अलावा बुलंदशहर, खुर्जा व स्याना से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगवाई गईं। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। मौके पर आला अफसर भी पहुंच चुके हैं।

स्कूलों के विलय के मामले पर आप सड़क पर, स्कूलों के सामने शंख बचाकर किया विरोध; जाएंगे सुप्रीम कोर्ट

लखनऊ । यूपी में प्राथमिक स्कूलों के विलय के मामले में आम आदमी पार्टी ने बंद हो रहे स्कूलों के सामने शंख बजाकर विरोध किया। प्रदेश में कम नामांकन वाले विलय (पेयरिंग) किए गए स्कूलों को वापस खुलवाने, स्कूलों को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) अभियान चला रही है। पार्टी ने रविवार को पूरे प्रदेश में विलय किए गए स्कूलों के सामने शंख और थाली बजाकर विरोध दर्ज कराया।

पार्टी के कार्यकर्ताओ ने प्रदेश भर में अपना विरोध दर्ज कराया और आगे भी अभियान जारी रखने की घोषणा की। राजधानी व कुछ अन्य जिलों में इसे लेकर कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोंकझोंक भी हुई। वहीं हापुड़ के प्राथमिक विद्यालय में बच्चों व अभिभावकों के साथ खुद प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने विरोध किया।उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की नहीं, ऐसी सरकार चल रही है, जो सरकारी स्कूल बंद कर बच्चों को अनपढ़ और बाबा साहब के शिक्षित राष्ट्र के सपने को कुचलना चाहती है। हमारा शंख बजाओ और कुंभकरण की नींद में सोने वाली सरकार को जगाओ अभियान है।उन्होंने कहा कि मैं देश के सर्वोच्च सदन में बच्चों के स्कूल बचाने पर चर्चा करने के लिए 267 का नोटिस दिया है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

श्रावण माह की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पादक (बी.पी.साहू)
मो.8423454502,
व्हाटसअप 9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

संपादकीय

सुरक्षा से पहले

हाल के दिनों में हवाई उड़ान को लेकर तमाम ऐसी खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं कि जिससे आम लोगों के मन में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षा बोध पनपा है। यह स्वाभाविक है क्योंकि हवाई यात्रा के साथ तमाम तरह के जोखिम जुड़े हैं।गत बारह जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयावह विमान हादसे के बाद, जिसमें 260 लोग मारे गए थे, भारत का नागरिक उड्डयन क्षेत्र गहन जांच के घेरे में है। यद्यपि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कई तरह की व्याख्याएं और निष्कर्ष सामने आ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद आम धारणा यही है कि भारत की हवाई यात्रा व्यवस्था में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में हुए एक राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन सर्वेक्षण में लगभग 76 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि भारत में कई एयरलाइनें यात्रियों की सुरक्षा की तुलना में प्रचार पर ज़्यादा धन खर्च कर रही हैं। निस्संदेह यह गलत प्राथमिकताओं का एक ज्वलंत प्रसंग है, जो यही दर्शाता है कि हवाई यातायात व्यवस्था को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने की सख्त जरूरत है। यह भी कि यात्रियों की सुरक्षा और कुशल हवाई संचालन में किसी चूक के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सख्ती से अपनाई जानी चाहिए। निस्संदेह इस बाबत सख्त कार्रवाई कुशल व सुरक्षित हवाई यातायात का मार्ग सुनिश्चित करेगी। विडंबना यह है कि हमने विगत के हवाई हादसों से कोई गंभीर सबक नहीं सीखे। 'सब चलता है' की नीतियां ही क्रियान्वित होती रही हैं। एक के बाद एक हादसों के लिए जांच आयोग तो कई बैठे, लेकिन सुधार के प्रयास तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचे। हमारी राजनीतिक अक्षमताएं और निगरानी करने वाले संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप से अनुभवहीन लोगों को बैठाना भी हवाई परिचालन में अव्यवस्था का सबब बना। जिसके चलते हमारी हवाई व्यवस्था असुरक्षा के भय से मुक्त न हो पा रही है। साथ ही हमारी हवाई सेवाएं वैश्विक मानकों की कसौटी पर खरी न उतर पायीं। जिसका खमियाजा देश के हवाई यात्री भी भुगत रहे हैं।निस्संदेह विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बने भारत में नागरिक सेवाओं में यह गुणवत्तापूर्ण झलक नजर आनी चाहिए। यह गुणवत्ता विदेशी निवेशकों के लिए भी जरूरी है लेकिन फिलहाल हमारा नागरिक सेवाओं के प्रति अपेक्षित भरोसा नहीं बन पा रहा है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सहभागिता मंच, लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि सर्वे में शामिल 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि पिछले तीन वर्षों में कम से कम एक बार उन्होंने कठिन उड़ान का अनुभव किया था, जिसमें टेकऑफ़, लैंडिंग या उड़ान के दौरान कठिन परिस्थितियां शामिल थीं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सोमवार को इस चिंताजनक स्थिति का सारांश प्रस्तुत किया, जिसमें राज्यसभा को बताया गया कि पिछले छह महीनों में पांच 'पहचाने गए' सुरक्षा उल्लंघनों के संबंध में एयर इंडिया को नौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। यह वास्तव में एक उल्लेखनीय दिन था जिस दिन संसद में विमानन सुरक्षा का ज्वलंत मुद्दा गूंजा ।

प्रतिशोध की आग में खुद झुलसा पाक

आगे के विकल्प स्पष्ट है- बदला-सिद्धांत जारी रहना और 'हम खुद भी पीड़ित हैं' वाला मिथक कायम रखा जाए, जिससे सेना का ही खजाना भरेगा। - या फिर इस नीति को फिर से लिखना - नकारात्मक होकर नहीं, बल्कि गरिमा बनाने के संकल्प के साथ। ऐसी नीति जो पुरानी गलतियां स्वीकार करे, छद्म दुस्साहस से विमुख करे, रक्षा पर जोर के बजाय विकासोन्मुखी हो।भारत को अपने पड़ोसी का पतन देख खुश होने की जरूरत नहीं। संयम भारत का सभ्यतागत दिशासूचक रहा है। लेकिन स्पष्टता का अर्थ क्रूरता नहीं हो सकता। इस क्षेत्र का भविष्य किसी एक सिद्धांत के पतन का बंधक नहीं रह सकता। उस आईने का सामना करना सबसे मुश्किल होता है जो विरोधी का नहीं अपना अक्स दिखाए। पाकिस्तान की सबसे बड़ी हार ढाका नहीं, बल्कि उससे सबक न सीखना है। 1971 की पीड़ा अधिक समावेशी, लोकतांत्रिक, संघीय कल्पना को जन्म दे सकती थी। इसकी बजाय, वह अधिनायकवादी निजाम का बहाना बन गयी। अब तो रणनीतिक तौर पर भारत की बराबरी करने की मृगतृष्णा भी धुंधली पड़ चुकी है। बचा है तो एक मौका - जो नई पटकथा लिख सकता है। साझी दुश्मनी अच्छे दोस्त बनाती है, पर तब तक ही जब तक आप खुद अपने सबसे बड़े दुश्मन न बन जाएं। फिर वही दोस्त आपके साथ खेल करने लगते हैं। यह रणनीति न होकर, धीमा आत्मसमर्पण है। समय है ।

पाकिस्तान ने 1971 की हार से सबक लेकर रीति-नीति से खुद में सुधार करने के बजाय भारत से बदला लेने को लक्ष्य बना लिया।जिसे सेना ने स्थाई सिद्धांत में बदल डाला। उसकी ज़िद ने आर्थिकी व लोकतंत्र को नष्ट किया। पाक अलग-थलग पड़ गया। दरअसल,पाकिस्तान की सबसे बड़ी हार ढाका नहीं, बल्कि उससे सबक न सीखना है।

हर पीढ़ी में, राष्ट्रों को पूछना चाहिए कि उन्हें क्या कुछ याद रहा, बल्कि यह भी कि किस रूप में याद रखना चुना। जब स्मृति प्रतिशोध बन जाए, तो यह भविष्य को अतीत की ज़ंजीरों में जकड़ देती है।इस सिद्धांत का इससे स्पष्ट उदाहरण और कोई नहीं है कि 1971 के बाद से पाकिस्तान बदला लेने का जुनून पाले हुए है।ढाका में आत्मसमर्पण करने के 53 साल बाद भी, यह सच्चाई अटल है - 1971 में पाकिस्तान के टुकड़े भारत की वजह से नहीं हुए थे- बल्कि पाकिस्तान की अपनी करतूतें थी। यह सिर्फ़ एक युद्ध का अंत नहीं था; यह एक दोषपूर्ण राष्ट्रीय कल्पना का सामने आना था। पूर्वी पाकिस्तान की त्रासदी उनके द्वारा रची गई थी जिन्हें यह देखने से इनकार था कि राष्ट्र को जबरन एकजुट नहीं रखा जा सकता, न ही मुंह बंद कर किसी की पहचान नकारी जा सकती है।

फिर भी, यह सच्चाई स्वीकार करने के बजाय, पाकिस्तानी शासन, खासकर उसके सैन्य प्रतिष्ठान ने एक अलग रास्ता चुना - आत्मचिंतन का नहीं, बल्कि प्रतिशोध का। हार की आग में जलते हुए, बदले की भावना से ओत-प्रोत एक सिद्धांत गढ़ा। ऐसा सिद्धांत जिसने राह सुधारने की बजाए उसे षड्यंत्रकारी बनाया, और राष्ट्रीय पीड़ा को संस्थागत स्थायित्व में बदल दिया। यह सिद्धांत तबसे कई रूप ले चुका है।वर्ष 1971 के बाद वाले दशकों में, पाकिस्तानी सेना ने सार्वजनिक जीवन के हर क्षेत्र में घुसपैठ कर ली - अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मीडिया, विदेश नीति और यहां तक कि धर्म में भी। पाठ्यपुस्तकें आक्रामकता का महिमामंडन करती हैं और आत्मनिरीक्षण शामिल नहीं है। सरकार भले ही चुनाव से बनती हो, लेकिन फैसले जनरल लेते हैं। आर्थिक स्वायत्तता पाने की जगह रणनीतिक भाड़े पर काम करना चुना। और जब दुनिया से इस हेतु पैसा आना बंद हो गया, तो खालीपन भरने को अन्य ने मौका लपका - चीन, खाड़ी मुल्क, गैर-सरकारी गुप्त संगठन भी - बतौर साझेदार नहीं, बल्कि कठपुतली के रूप में बरतने को। ऐसे ढांचे को कायम रखने के लिए एक दुश्मन जरूरी होता है। अगर भारत का वजूद न होता, तो यह सिद्धांत कोई और दुश्मन गढ़ लेता। और इस तरह, युद्ध कभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ - बस युद्ध के मैदान से हटकर तौर-तरीके बदल गए। कारगिल, आईसी-814 अपहरण , मुंबई आतंकी हमला, पुलवामा और अब पहलगाम कांड - हर घटना यह दिखाने को कि रग हमारे हाथ में है, अपनी खोई प्रतिष्ठा फिर हासिल करने की या अपमान की इबारत फिर लिखने की कोशिश रही। लेकिन हर बार, पाक के लिए नतीजे उसके इच्छित लक्ष्य से कहीं ज़्यादा बुरे रहे।इस सिद्धांत की कीमत उसे अंदरूनी पतन के रूप में और बाहरी दुनिया में अलग -थलग पड़ चुकानी पड़ी है। इस बदले से हासिल क्या हुआ? दरअसल, आतंकवाद एक दोधारी तलवार बन गया - वह जिसका इस्तेमाल कभी दूसरों को गहरी सामरिक चोट देने के वास्ते किया, अब वही बेखौफ होकर देश के अंदर हमला कर रहा है। आर्थिक बर्बादी यानी मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, संप्रभुता का हनन। कूटनीति कुंद पड़ी, यहां तक कि पारंपरिक सहयोगी भी अब मदद करने से पहले शर्तें मनवा रहे हैं। नागरिक समाज का क्षरण - पत्रकारों का मुंह बंद करना, अल्पसंख्यकों को सताना, असहमति जुर्म बना दी गई। यह राष्ट्रीय सुरक्षा नहीं , राष्ट्रीय स्व-क्षति के सिद्धांत को जामा पहनाना है। जो सेना कभी 'विचारधारा का संरक्षक' होने का दावा करती थी, अब रियल एस्टेट और मीडिया चैनल मालिकों की चौकीदारी कर रही है। दरअसल, यह अपनी ही अक्षमता की रचयिता और बंदी बन चुकी है। फिर आन पहुंचे असीम मुनीर! जब ऐसा लगने लगा कि बदले की आग कुछ मद्धम पड़ रही है, एक शख्स आया जिसने उसे फिर भड़का दिया। जनरल मुनीर, जिन्हें असफलता के विचार से घृणा है, 1971 के बाद रची पाकिस्तान की पटकथा को ठंडा पड़ते देख सह न सके, और जम्मू-कश्मीर से अनु. 370 हटाना तो बिल्कुल असहनीय रहा। उन्होंने फिर पूरे सिद्धांत को चिंगारी दे दी।मुनीर अपने भाषणों में द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का जोर-शोर से आह्वान करते हैं, उग्रवाद को शह और शत्रुता को नए सिरे से भड़काने को सड़क पर भीड़ उतारना एवं राज्य स्तर पर माहौल बनाना चाहते हैं। लेकिन इस बार, क्षेत्र ने प्रतिक्रिया अलग तरह की दी। ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य सुस्पष्टता, बल्कि कूटनीतिक संयम की भी मिसाल रहा। मुनीर को इसकी कीमत स्पष्ट पता चल गई - न केवल भारत की प्रतिरोधी कार्रवाई से, बल्कि अलग-थलग पड़ने में भी। विडंबना यह कि जिन नेताओं को उन्होंने चुनावी लाभ पहुंचाकर सशक्त बनाया, अब उन्हें ही उनका कोपभाजन बनना पड़ रहा है। जिस सिद्धांत ने कभी प्रतिष्ठा बनाने का वादा किया, वही बोझ बन सिर पर सवार है।

रक्त बहाकर जन्मा और कभी दृढ़ पुनर्निर्माण का प्रतीक रहा बांग्लादेश अब एक संकटपूर्ण रास्ते पर चल निकला है। यह उन्हीं आवेगों का प्रतिबिम्ब है, जिन्होंने कभी उसे सताया था - सत्ता को मुट्ठी में रखना, विपक्ष को दबाना और असहमति को गद्दारी ठहराने जैसी पुरानी इबारत का लौटना। बांग्लादेश के अब फिर उस हालत में पहुंचने का डर बन गया है, जिसपर कभी इसने जीत पाई थी।

यहां फिर से वही दक्षिण एशिया है - जिसे सबक लेना गवारा नहीं। पाकिस्तान की सेना अभी भी एक शून्य-योग भ्रम में फंसी हुई है - मीडिया सुर्खियों को रणनीति और पतन को गरिमा समझ रही है। और ऐसा करके, वह अपने नागरिकों को असुरक्षा और मोहभंग में और ज्यादा गहरे धकेल रही है। यहां यह पूछना ज़रूरी है-ऐसे सिद्धांत का क्या फ़ायदा जो देश की किसी भी संस्था को मज़बूत न करता हो, उसके किसी भी घाव को न भर सके और किसी भी व्यक्ति को सुरक्षित न कर सके? प्रतिशोध एक घटिया शिक्षक होता है। पिछली गलतियों के दोहराव के अलावा कुछ नहीं सिखाता।

आत्मीय अहसासों से विहीन सामाजिकता के संकट

भारतीय परंपरा में, क्रोध, लोभ और सत्ता की लालसा को कम करने के लिए आत्म-संयम, आत्म-अनुशासन, अपनी सीमाओं के प्रति जागरूकता और सत्य की निरंतर खोज के मार्ग पर ज़ोर दिया है। उन्हें खुद से असहमति रखने वालों की बातों...भारतीय परंपरा में, क्रोध, लोभ और सत्ता की लालसा को कम करने के लिए आत्म-संयम, आत्म-अनुशासन, अपनी सीमाओं के प्रति जागरूकता और सत्य की निरंतर खोज के मार्ग पर ज़ोर दिया है। उन्हें खुद से असहमति रखने वालों की बातों को गंभीरता से लेने, उनसे राब्ता रखने और उन्हें मनाने के लिए प्रेरित करता है। क्या हम उस मार्ग पर फिर से चलने और इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए तैयार हैं?

'मेलजोल विहीन भाईचारा' यह विशेषण हमारे समकालीन जीवन की दशा का वर्णन सबसे अच्छी तरह करता है, खासकर शहरी इलाकों में। आज हम जरूरत से ज्यादा भीड़-भाड़ भरे शहरों में, एक-दूसरे की बगल में खड़ी ऊंची-ऊंची इमारतों में, आपस में सटे अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं, कहने को पास-पड़ोस से भरपूर, किंतु मेल-जोल विहीन। कई अमेरिकी उपनगरों के विपरीत, जहां पर ज़्यादातर घर एक-दूसरे से थोड़े फासले पर बने होते हैं, हमारे यहां उपनगरों और विस्तारित शहरी इलाकों में आवासीय समूह हैं, जिनमें रिहायश अनिवार्य रूप से सटी हुई होती है। यदि ऊपर आसमान में दूसरे ग्रह के प्राणी मंडरा रहे हों, तो अवश्य ही वे इन जगहों की असाधारण सामाजिकता देखकर दंग रह जाएंगे!

विडंबना यह है कि इस किस्म का सामाजिक अस्तित्व वास्तव में असामाजिक व्यवहार का चिन्ह है। हालांकि हम अक्सर यह मानकर चलते हैं कि एक जगह मिल-जुलकर रहने से चिंताएं साझा बनती हैं और दोस्ती, मिलनसारिता और आपसी देखभाल की भावना पैदा होती है, लेकिन हकीकत बिल्कुल विपरीत है। अधीरता, क्रोध, आक्रामक व्यवहार, हिंसक गाली-गलौज और कभी-कभी शारीरिक हमले तक, इस 'सामाजिक जगत' में बहुतायत में हैं। सड़क किनारे खाली जगह पर कार पार्क करने का मामला हो या पालतू जानवर सहित व्यक्ति को अगली लिफ्ट पकड़ने के लिए कहना या फिर गार्ड द्वारा गेट खोलने में थोड़ी-सी देरी हो जाने जैसे मामूली से मुद्दे भी बेहद आक्रामक प्रतिक्रियाएं पैदा कर देते हैं, जिसमें आगे दोस्त और परिवार के लोगों के शामिल होने से झगड़ा विकराल रूप ले लेता है। ऐसी घटनाएं स्थानीय समाचारों की आम खबर बनी रहती हैं।

हम में से ज़्यादातर लोग, यहां तक कि वे लोग जो सक्रिय रूप से नौकरी या कारोबार नहीं कर रहे, वे भी कम अवधि के प्रवासों के अलावा, बसने के लिए दूर-दराज़, एकांत जगहों की तलाश नहीं करते; भले ही, दूसरे लोगों के साथ रहना एक तनाव साबित हो। जीन पॉल सात्रे के शब्द—'दूसरे लोग नर्क हैं', एक नई वास्तविकता को जन्म देते है, जहां पर एक मामूली-सा मतभेद तेज़ी से तूल पकड़ सकता है और इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया जा सकता है। इसके बाद अक्सर होता है, अपनी श्रेष्ठता को पुन: स्थापित करने के उद्देश्य से एक-दूसरे को पछाड़ने का खेल। यह हमारे वर्तमान अस्तित्व की परेशान कर देने वाली किंतु अपरिहार्य स्थिति बन गई है, और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा।हिंसा का यह सामान्यीकरण आमतौर पर उस तनाव से जुड़ा होता है जो एक बेहद अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव वाली बाज़ार व्यवस्था में उच्च आकांक्षाओं को साकार करने के सपने के साथ संलग्न होकर आता है। निस्संदेह, हम में से अधिकांश लोग जिस वातावरण में काम करते और रहते हैं, वह तनावपूर्ण है, लेकिन यह तत्व वर्तमान वास्तविकता की व्याख्या को पर्याप्त रूप से या उसके सही अर्थ को नहीं पकड़ पाता।रोजाना जीवन में इस कदर निरंतरता से उभरने वाले घर्षण और संत्रास एक ऐसे स्व: के उद्भव को इंगित करते हैं जो एक साथ चिंता और आत्म-विश्वास से भरा है। वह जिसे, पुष्टि और मान्यता पाने की प्रबल इच्छा रहती है (जो अनिवार्य रूप से इसे दूसरों से मिलनी चाहिए), लेकिन उसका यकीन कहता है कि सत्य केवल उसके पास है। जहां पहली प्रवृत्ति उसको सामाजिकता की ओर लेकर जाती है, वहीं दूसरी वाली उसे अन्यों को, खासकर वे जो असहमत हों, त्याज्य बना देती है। इस रिश्ते में, केवल आत्म(स्व:) यानी मैं और मेरे साथ खड़े लोग ही मूल्यवान और विचार करने लायक हैं। समूह बनाने और यहां तक कि उसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने में न केवल इच्छुक, बल्कि उत्साही भी होता है। यहां किसी के मन में विचार उठ सकता है कि एक असामाजिक स्व:, जिसके लिए दूसरे लोग बोझ हैं, वह तो अकेला खड़ा होना ज्यादा पसंद करेगा और सामूहिकता को असहनीय पाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है, और यह व्यवहार फिर से पुष्टि करता है कि मेलजोल विहीन भाईचारा किसी अलग-थलग व्यक्ति की अभिव्यक्ति नहीं है, वह जो समुदाय और अन्य पहचान-आधारित समारोहों में सांत्वना की तलाश करता फिरे। यदि जुड़ाव की इच्छा प्राथमिक प्रेरणा होती, तो समुदाय की सदस्यता एक सुखदायक मरहम का काम करती और यह आक्रामकता और हिंसक व्यवहार को कम कर देती। फिर से, ऐसा नहीं है।

बंगाल का अपराजिता विधेयक अटका, राज्यपाल ने मृत्युदंड को बताया असंगत

केंद्र ने अपनी टिप्पणी में पाया कि सितंबर 2024 में विधानसभा में पारित अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत बलात्कार के लिए सजा में बदलाव की मांग करता है जो अत्यधिक कठोर और असंगत हैं।

राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भारतीय न्याय संहिता में प्रस्तावित बदलावों पर केंद्र द्वारा उठाई गई गंभीर आपत्तियों पर विचार के लिए अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। सूत्र ने बताया कि केंद्र ने अपनी टिप्पणी में पाया कि सितंबर 2024 में विधानसभा में पारित अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत बलात्कार के लिए सजा में बदलाव की मांग करता है जो अत्यधिक कठोर और असंगत हैं।

हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि उसे विधेयक के कुछ प्रावधानों पर अपनी टिप्पणियों के संबंध में केंद्र सरकार या राज्यपाल कार्यालय से अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। विधेयक में बलात्कार के लिए सजा को बीएनएस के तहत मौजूदा न्यूनतम 10 वर्ष से बढ़ाकर शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्यु तक करने का प्रस्ताव है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने विधेयक के कई प्रावधानों को समस्याग्रस्त बताया है। गृह मंत्रालय की टिप्पणी पर गौर करने के बाद, राज्यपाल ने उन्हें उचित विचार के लिए राज्य सरकार के पास भेज दिया है।

उन्होंने गृह मंत्रालय की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र ने बलात्कार के लिए सजा को न्यूनतम 10 वर्ष से बढ़ाकर दोषी के शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड करने के लिए बीएनएस की धारा 64 में संशोधन के प्रस्ताव को अत्यधिक कठोर और असंगत बताया है।

ये पब्लिक है, सब जानती है- बिहार में दहाड़ रहा चुनाव आयोग

पंकज सीबी मिश्रा /राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

चुनाव आयोग ने जब बिहार में फर्जी वोटरों का आकड़ा दिया तो लोकतंतर में फर्जी वोटरों को बचाने के लिए राहुल संसद के बाहर, अखिलेश मस्जिद में और तेजश्वी सड़क पर उतर गए। अब फर्जी नेताओं और उनके फिट किए गए यूट्यूबर की जान हलक में आ गई। आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार नें कहा कि क्या स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन अर्थात एसआईआर पर उठाए जा रहे बेबुनियादी सवालों से डर कर चुनाव आयोग, ऐसे लोगों के बहकावे में आकर, मरे हुए मतदाताओं, स्थायी तौर से प्रवास कर गये मतदाताओं, दो जगह वोट बनवा चुके मतदाताओं, फ़र्जी मतदाताओं या विदेशी मतदाताओं के नाम पर फ़र्जी वोट डालने वाले लोगों को पहले बिहार में, फिर पूरे देश में, संविधान के विरुध्द जाकर फर्जी वोट डालने की अनुमति दे दे ? गनीमत है कि 卐लोकतंतर卐 बचाने का नारा देने वालों ने अभी तक यह नारा नहीं दिया है कि मुर्दों को भी वोट देने का अधिकार है। हम उनकी भी लड़ाई लड़ रहे हैं, उनका नाम आखिर मतदाता सूची से क्यों हटाया जा रहा है? बिहार में वोटर लिस्ट रिव्यू के बाद ये तो तय है कि फर्जी वोटिंग बिहार चुनाव की पहचान रही है और इसी के बलबूते में जंगलराज कायम होता था और गुंडे और मुजरिम चुनाव आसानी से जीत जाते थे।

अब जब चुनाव आयुक्त नें बिहार में रोहिंग्या एंट्री के आशंका को जाहिर किया तो कुछ सेक्यूलर टोपीधारी नेता सड़को पर उतर उत्पात मचाने की बात कर रहें। चुनाव आयोग नें सुप्रीम कोर्ट में जो धाँसू हलफनामा दिया है उस हलफ़नामे में 80 पेज का जो ऑपरेटिव हिस्सा है उसमें जो आंकड़े दिए गए हैं वह निश्चित रूप से बिहार के हिन्दू कम्युनिटी को चौकाने वाला है ! सूत्रों की माने ह्लश चुनाव आयोग ने एक एक्टिविस्ट की बात को स्वीकार किया है जिसने सबसे पहले कहा था की 2003 में जिन चार करोड़ 96 लाख वोटो का जिक्र है उनमें से एक करोड़ 10 लाख वोटो का देहावसान हो चुका है फिर भी वो वोटर लिस्ट में बने रहें इसलिए 2003 की वोटिंग लिस्ट में 3 करोड़ 85 लाख वोट है जो इन 9 करोड़ वोटरो में से सत्यापित किया जा रहे हैं बाकि नए वोटर है जिन्हें कागज़ दिखाने पड़ेंगे। बाकी सारे नाम समरी रिवीजन के बाद फर्जी साबित होंगे और उन्हें हटाया जायेगा जो बेहद सटीक और विचारयोग्य है। बिहार में फर्जी वोटिंग रोकने के लिए एसआईआर की प्रक्रिया नें बिहार के लोगो को नया उत्साह दिया है।

जो मतदाता सूची चुनाव आयोग ने दी है वह स्वीकार योग्य है। सूत्रों की माने तो बिहार में 1980 से 2025 के बीच में 2 करोड़ 86 हजार लोगों नें ही मैट्रिक के सर्टिफिकेट दिए हैं ! आंकड़े कहते है कि बिहार में 9 लाख सरकारी कर्मचारी है यह बात मानी जा सकती है इसमें 5 लाख वर्तमान में और चार लाख पेंशनर सरकारी कर्मचारी है। कुछ यूट्यूबर सर्वे हुए हैं उनमें कहा गया कि अनुसूचित जाति से लगभग 80ल लोगों को आदिवासियों में 65ल लोगों को ओबीसी में 90 ल लोगों को और सवर्ण जाति में 60 ल लोगों ने जाति प्रमाण पत्र बनवाए हैं ! तो फिर ये कागज दिखाइए ! क्या दिक्कत है.. ? चुनाव आयोग जिन जाति प्रमाण पत्रों के जिक्र कर रहा है जो सरकार द्वारा जारी कर दिए गए वो लगभग 9 करोड़ है। बाकीयों को फैमिली प्रमाण पत्र बांटे गए है जिनकी संख्या लगभग ढाई करोड़ है। चुनाव आयोग ने सिर्फआंकड़ों पर ही बोला है। क्रियान्वयन के संदर्भ में भी जो तथ्य उसने दिए हैं वह सब जमीन पर नजर आ रहे। चुनाव आयोग नें कुछ नामी फर्जी यूट्यूबर पत्रकारों के भी चेहरे से नकाब उतार दिया है। ऐसे फर्जी यूट्यूबर माईक लेकर बस लोगो को बरगला रहें।

उधर बिहार में चुनाव आयोग फ्रंट फूट पर बैटिंग कर रहा। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दिया है उसमें लिखा है कि उसने हर मतदाता को दो अनुमूलेशन फॉर्म दिए हैं। चुनाव आयोग बड़ी बेबाकी से यह बात कही है कि कितने फॉर्म बिना दस्तावेज के उसने प्राप्त किए हैं जबकि फर्जी नेताओं का कहना है कि इसकी एक बहुत बड़ी संख्या है जो वहां के बीएलओ ने बिना मतदाता के हस्ताक्षर कराए , फर्जी हस्ताक्षर कर कर,बिना किसी दस्तावेज़ के पुरानी वोटिंग लिस्ट से उसके मतदाता एपिक नंबर नोट कर कर अपलोड किए हैं। सिर्फ यह सिद्ध करने के लिए की चुनाव आयोग ने रिवीजन का काम शिद्दत से पूरा नहीं किया है इसके विरोध में लोगो को सड़क पर उतारने वालों की कलई खुल रही लेकिन सच्चाई यह है मेहनत से मतदाता सूची पूनरीक्षण कार्य पूरा किया गया है इसे न सिर्फ पूरा बिहार जानता है बल्कि सारा देश भी जानने लगा है।कुछ नरेटीवस की भी बात की जाए तो बिहार में डुप्लीकेट आधार कार्ड का जिक्र जरूरी है। सीमांत जिलों में 70ल आधार कार्ड फर्जी जारी हो गए हैं और इस तरह रोहिंग्या नेपालियों और बांग्लादेशों के लिए भी बिहार में वोटिंग के अवसर तलाशें जा रहे जिसका जवाब अब जब चुनाव आयोग दें रहा तो डब्बेबाज नेता छटपटा रहें।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

छीनाझपटी में जमीन पर गिरा दो साल का मासूम, सिर की हड्डी टूटने से मौत

कानपुर । मां-बाप के विवाद में दो साल के बेटे की जान चली गई। गुरुवार को पति-पत्नी की छीनाझपटी में बेटा सिर के बल जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। बेटे को हैलट में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। वहीं, साले ने अपने बहनोई पर मासूम को जमीन पर पटककर मार डालने का आरोप लगाया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर की हड्डी टूटने से कोमा में जाने के कारण मौत की पुष्टि हुई है। हादसा सेनपश्चिम पारा थानाक्षेत्र के सिद्धार्थनगर में हुआ।

नौबस्ता के आवास विकास निवासी डेकोरेशन का काम करने वाले प्रभास सैनी ने बताया कि 10 फरवरी 2022 को बेटी दीक्षा की शादी सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र के सिद्धार्थनगर में रहने वाले मनोज उर्फ मयंक सैनी से की थी। दोनों से एक बेटा स्वास्तिक (02) था। दीक्षा के भाई शोभित के अनुसार, भांजे को जन्म से दिल में छेद था। आरोप लगाया कि उसके इलाज के रुपये को लेकर कलह होती थी। गुरुवार को इसी बात को लेकर बहन बहनोई में विवाद हो रहा था। तभी मासूम को एक दूसरे से छीनने के चक्कर में गुस्से में बहनोई ने भांजे को जमीन पर पटक दिया। इससे वह अचेत हो गया। आरोप लगाया कि बहन अस्पताल ले जाने के लिए पति के हाथ पैर जोड़ती रही लेकिन आठ घंटे तक बहनोई ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। शोर मचाने पर उसे अस्पताल पहुंचाया गया। हैलट अस्पताल में शनिवार को मासूम ने दम तोड़ दिया। उसका 13 सितंबर को जन्मदिन पड़ता था।

इस संबंध में सेन पश्चिम पारा थाना प्रभारी कुशलपाल सिंह का कहना है कि अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। पति को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। ससुरालवालों के मारपीट करने की आशंका पर वह घर जाने के लिए तैयार नहीं है। थाने में डरकर अपनी मर्जी से बैठा है।

मायके जाने की जिद में हुआ था विवाद

मनोज के पिता रामबाबू का कहना है कि शादी के छह महीने बाद से ही बहू का बेटे से विवाद होता था। पौत्र स्वास्तिक के दिल में छेद था जिसका छत्तीसगढ़ स्थित अस्पताल से इलाज कराने की तैयारी चल रही थी। गुरुवार को स्वास्तिक को बुखार आ रहा था जिसका इलाज कराने के लिए मनोज और दीक्षा अस्पताल गए थे। आरोप है, कि अस्पताल से लौटने के दौरान बहू मायके जाने की जिद करने लगी जिस पर दोनों के बीच जमकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान छीनाझपटी में स्वास्तिक मनोज की गोद से गिर गया और सिर पर चोट लगने से मौत हो गई।

सड़क किनारे बेहोश मिले सिपाही की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पनकी थानाक्षेत्र में गुरुवार शाम शताब्दीनगर में सड़क किनारे बेहोश मिले पीआरवी में तैनात बागपत निवासी सिपाही शुभम सिंह तोमर (27) की शुक्रवार की रात मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट न होने से विसरा सुरक्षित किया गया है। वह गुरुवार को सड़क किनारे बेहोश मिले थे। बागपत में रमाला भूड़पुर गांव निवासी रामकिशन सिंह के बेटे शुभम की पनकी थानाक्षेत्र में पीआरवी में तैनाती थी।

शुभम 2019 बैच का सिपाही था। साथी पुलिसकर्मियों ने बताया कि गुरुवार शाम चार बजे खाना खाने निकले थे। रात करीब आठ बजे कुछ लोगों ने बाइक समेत शताब्दीनगर में पड़े होने की सूचना पुलिस को दी।

आरोप लगाया कि राहगीरों ने उसे नशेबाज समझकर ध्यान ही नहीं दिया। इससे वह चार घंटे तक वहीं पड़े रहे। बाद में किसी ने बाइक में पुलिस लिखा देखा तो पनकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे रात आठ बजे के आसपास सर्वोदयनगर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया। यहां शुक्रवार शाम 5:30 बजे इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिसकर्मियों ने बताया कि डेंगू हो जाने के कारण वह एक माह से छुट्टी पर चल रहे थे। उसने अपने भाई प्रवीण कुमार को फोन कर सांप के काटने की सूचना दी थी। वहीं, पनकी इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह का कहना है कि गुरुवार शाम को डायल 112 से किसी व्यक्ति के सड़क पर बेहोश होने की सूचना मिली थी। इस पर टीम ने अस्पताल में भर्ती कराया था। बाद में उनकी पहचान सिपाही शुभम सिंह तोमर के रूप में हुई थी। शुभम दो-तीन महीने से गैरहाजिर थे।

मेडिकल स्टोर का शटर उचकाकर तीन लाख रुपये पार, 25 कैमरे मिले बंद

कानपुर। स्वरूपनगर में मधुराज हॉस्पिटल के सामने स्थित मेडिकल स्टोर में शुक्रवार रात चोरों ने शटर उचकाकर तीन लाख की नकदी पार कर दी। हैरान करने वाली बात है कि घटना के समय मेडिकल स्टोर में लगे 25 सीसीटीवी कैमरे बंद थे। चंद कदम की दूरी पर पुलिस पिकेट भी तैनात रहती है। राजीव मेडिकल स्टोर विकासनगर निवासी राजीव वोहरा का है। उन्होंने बताया कि रात करीब 12:30 बजे दुकान बंदकर घर चले गए। शनिवार सुबह 6:30 बजे जब कर्मचारियों के साथ दुकान पहुंचे तो शटर उचका देखकर उनके होश उड़ गए। राजीव के अनुसार, रात में किसी समय वारदात को अंजाम दिया गया है। कैमरे बंद होने से चोरों का पता नहीं चल सका है। चोरों ने दवा नहीं चुराई है। स्वरूपनगर इंस्पेक्टर सूर्यबली पांडेय ने बताया कि संचालक ने तहरीर दी है। दुकान के सभी कैमरे बंद होने पर अनुमान लगाया जा रहा है कि

यह किसी कर्मचारी की करतूत है। पुलिस की टीमें आसपास दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

भाजपा ने कारगिल विजय दिवस पर बलिदानियों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया

शहर के 57 शहीदों की मां के नाम किया वृक्षारोपण

कानपुर। आज से 26 वर्ष पूर्व सन 1999 में कारगिल में 16500 किलोमीटर की ऊंचाई और माइनस पचास डिग्री तापमान में अपने अदम्य साहस, पराक्रम के बल पे पाकिस्तानी सेना के नापाक इरादों को कुचलने वाले भारतीय सेना के बलिदानियों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भाजपा उत्तर, दक्षिण एवं ग्रामीण जिला इकाई द्वारा भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। भाजपा कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने 101 बलिदानियों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इससे पूर्व शहीदों की याद में सर्किट हाउस के पास स्थित शहीद पार्क में क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल एवं दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने सन 1962, 1965, 1971 से विभिन्न लड़ाइयों में शहीद हुए कानपुर महानगर के 57 शूरवीर बलिदानियों की मां के नाम पर वृक्षारोपण किया गया।

इसी तरह उत्तर जिला इकाई की ओर से जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने मोतीझील स्थित कारगिल पार्क में शहीदों की याद में वृक्षारोपण किया। दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि सेना के जवानों ने अपने अदम्य साहस, पराक्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया, जिससे आज भी पूरा राष्ट्र गौरवान्वित है। भाजपा परिवार सदैव हमारे वीर सैनिकों के साथ खड़ा है। देश की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और सैनिकों के सम्मान के लिए भाजपा लगातार प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करते रहेंगे कि शहीदों की कुर्बानी को कभी भुलाया न जाए और उनका सम्मान सदैव सर्वोपरि रहे। कार्यक्रम का संचालन जिलामंत्री जसविंदर सिंह ने किया। प्रमुख रूप से अनीता गुप्ता, एमएलसी अरुण पाठक, उत्तर, दक्षिण, ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित, शिवराम सिंह, उपेंद्र पासवान, रघुनंदन भदौरिया, सुरेश अवस्थी, पं बालचंद्र मिश्र, केपी सिंह चौहान, ब्लॉक प्रमुख विजय रत्ना तोमर, राधेश्याम पाण्डेय, कौशल किशोर दीक्षित, रीता शास्त्री, पूर्व मंत्री अरुणा कोरी आदि मौजूद रहे।

कजरी महोत्सव में महिलाओं को श्रृंगार सामान देकर किया गया सम्मानित

बीपीएस न्यूज

कानपुर । शिक्षा से वंचित बच्चों की पाठशाला उजियारी देवी मंदिर ख्यौरा मैनावती मार्ग कानपुर प्रांगण में भारत विकास परिषद एवं अकाय पाठशाला के संयुक्त तत्वावधान में सावन के कजरी महोत्सव के अंतर्गत सम्मानित महिला प्रतिनिधियों को सावन में श्रृंगार के साजों समान देने का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानित महिला प्रतिनिधियों को श्रृंगार का सामान देकर सम्मानित किया गया। पाठशाला के बच्चों को स्वल्पाहार वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ स्मिता श्रीवास्तव एवं वशिष्ठ अतिथि अनूप निगम एडवोकेट पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष दा लॉयर्स एसोसिएशन कानपुर रहे। पाठशाला में भारत विकास परिषद से डॉ नीरू निगम, शिखा अग्रवाल, ममता श्रीवास्तव, राकेश द्विवेदी, संजीव श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव अरविंद अवस्थी, अंबिका चरण त्रिपाठी ने अपना सहयोग प्रदान किए।

अकाय पाठशाला से डॉ स्मिता श्रीवास्तव, अनहद श्रीवास्तव, अभिलाष जायसवाल सभी को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पाठशाला संचालन के मुख्य ट्रस्टी ददन मिश्रा द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत पाठशाला के प्रबंधक प्रकाश श्रीवास्तव ने किया। ट्रस्ट के सचिव अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में अंजू श्रीवास्तव कौशलपुरी महिला मोर्चा मंत्री, साधना द्विवेदी, रिचा झा, मिथलेश गुप्ता, अनीता श्रीवास्तव, सुनीता, उषा देवी आदि उपस्थित रहे। भजन गायिका सुनीता देवी की टीम ने सावन के कजरी गीतों के माध्यम से सबका मन मोह लिया।

अपनी जनता पार्टी ने विद्यालयों के बंद और मर्ज होने पर किया विरोध प्रदर्शन, निकाली बाइक रैली

बीपीएस न्यूज

कानपुर जिलाध्यक्ष प्रशांत मौर्या ने पार्टी के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में बाइक रैली निकाली जिसमें कि उनकी पार्टी की तरफ़ से विद्यालयों के मर्ज होने पर विरोध प्रदर्शन किया गया। उन्होंने बताया कि अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्या के निर्देशानुसार प्राथमिक विद्यालयों के मर्ज व बंद किए जाने के विरोध पर अपनी जनता पार्टी का कानपुर महानगर सरसौल ब्लॉक में विरोध प्रदर्शन किया गया,

व विद्यालय परिसर में जाकर अध्यापकों से विद्यालय मर्ज पर जानकारी की, तो अध्यापकों की तरफ़ से बताया गया कि अब बहुत ही असहजता हो रही है व प्राथमिक बच्चों को शिक्षा प्राप्त होने पर काफ़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तो वहीं महिला शिक्षिकाओं को भी शिक्षा देने में असहजता हो रही है। वही पार्टी के जिलाध्यक्षों ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को जहां कहीं भी क्षेत्रों में विद्यालय है उनकी एक एक सूची तैयार कर व उनकी समस्याओं को जाने व भाजपा सरकार के द्वारा लिए गए इस गलत फैसलों को आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्य कर उनको संदेश देने का काम किया जाए। क्यों कि ग़रीब समाज के बच्चों को विद्यालय जाने से अब बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा, गांव क्षेत्र में अब विद्यालय दूर क्षेत्रों में रहेंगे तो गरीब समाज के बच्चे शिक्षा नहीं प्राप्त कर सकेंगे। इस तरह से देश का बच्चा शिक्षा विहीन रह जाएगा। वहीं इस विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रशांत मौर्य (जिलाध्यक्ष) - कानपुर नगर रामराज मौर्य (जिलाध्यक्ष) नगर ग्रामीण प्रदेश उपाध्यक्ष विधा नाथ, जिला महासचिव सुनील कुमार, राकेश कुशवाहा, रमेश सैनी, रामकिशोर कुशवाहा, अवधेश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, नवीन बाबू, विवेक कुशवाहा, आकाश कुशवाहा, रामबाबू निषाद, अजीत कुशवाहा, सत्य प्रकाश आदि लोग उपस्थित रहे।

संविधान में समानता स्वतंत्रता समाजवादी पार्टी आंदोलन की रणनीति तैयार करेगी: सांसद वीरेंद्र सिंह

बीपीएस न्यूज

कानपुर शनिवार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के कार्यकर्ताओं सपा महानगर क्षेत्र के पांचो विधानसभा क्षेत्रो के प्रभारियों विधानसभा अध्यक्षो 15 फ्रंटल संगठनों पीडीए मिशन की युवा टीम तथा प्रबुद्ध आमंत्रित सदस्यों का संविधान मान स्तंभ दिवस पर वृहत आरक्षण बचाओ सम्मेलन सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में दिन में 1:00 बजे रागेंद्र स्वरूप ऑडिटोरियम सिविल लाइन में आरंभ हुआ। कार्यक्रम में चंदौली के लोकप्रिय सांसद माननीय श्री वीरेंद्र सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर सम्मेलन को संबोधित किया। जिसका संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू ने किया। मुख्य अतिथि सांसद वीरेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में आगे कहा कि संविधान में समानता स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को बरकरार रखने में गंभीरता न अपनी तो जनता आगामी चुनाव में भाजपा के इरादों पर पानी फेर देगी और उत्तर प्रदेश में 2027 में अखिलेश यादव की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनेगी। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद जी, मुख्य अतिथि माननीय सांसद श्री विरेन्द्र सिंह जी, विशिष्ट अथिति राष्ट्रीय सचिव अपर्णा जैन, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, पूर्व मंत्री सुरेंद्र मोहन अग्रवाल, विधायक नसीम सोलंकी, विधायक अमिताभ बाजपेई, विधायक मोहम्मद हसन रुमी, राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. नीतेंद्र यादव, शादाब आलम, दीपक खोटे, अर्पित त्रिवेदी अनूप यादव, नंदलाल जयसवाल, शबाब अबरार, आनंद शुक्ल, सरिता मिश्रा, किर्ति अग्निहोत्री, रेखा यादव, सिंपल सिंह, शिप्रा श्रीवास्तव, जानकी वर्मा, शाहिन फातिमा, पार्षद अकील शानू, लियाकत अली, फकर इकबाल, अर्पित यादव, रजत बाजपेई, मो मेराज, मो नफीस, इशरत अली, सैयद जुनेद आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती का आयोजन

कानपुर। ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज जवाहर नगर में बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला समन्वयक शिक्षा विभाग कानपुर माननीय डॉ. भावना शुक्ला उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि जिला समन्वयक शिक्षा विभाग कानपुर डॉ. भावना शुक्ला ने छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि हमें अपनी आजादी अनेक बलिदानों के बाद मिली है। बच्चों इस संसार में पराधीन होने से बड़ा और कोई दुख नहीं है। तुलसीदास ने भी कहा है %पराधीन सपनेहु सुख नाहीं अर्थात पराधीन रहने पर सपने में भी सुख की प्राप्ति नहीं होती है। आज हम सब लोग बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के बलिदान के फलस्वरूप स्वतंत्रता के वातावरण में जी रहे हैं। इतना ही नहीं हम जीवन के किसी भी क्षेत्र में अपने भविष्य को ले जा सकते हैं। इन स्वाधीनता सेनानियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया और अंतत: अपना बलिदान देकर हम सबको आजादी दिलाई। जिस तरह से इन क्रांतिकारी अनेक कठिनाइयों को पार करके स्वाधीनता दिलाई, उसी तरह से हम भी कठिनाइयों का सामना करते हुए निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकते हैं। आप सब इस विद्यालय रूपी वृक्ष की एक शाखा हैं। आप अपनी लगन एवं परिश्रम से वह सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं जो आपने तय कर रखा है। निरंतर श्रम करते रहें। निश्चित रूप से एक दिन आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। विद्यालय की निदेशक डॉ. ममता तिवारी ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। प्रधानाचार्य राममिलन सिंह ने परिचय कराते हुए स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन कु. आराध्या सिंह गौर ने किया। मुख्य अतिथि व अन्य महानुभावों के प्रति विद्यालय छात्र संसद कार्यवाहक प्रधानमंत्री कु. दिव्यांशी शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर शिवानी सिंह, प्रतिभा सिंह चौहान, मधु द्विवेदी, उत्तम वर्मा, शिखा शुक्ला व अन्य शिक्षक गण, छात्र-छात्राओं सहित उपस्थित रहे।

भारतीय बाल रोग अकादमी, कानपुर द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया

बाल रोग विभाग सभागार, हैलेट अस्पताल, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर विश्व ओ.आर.एस. सप्ताह (25 से 31 जुलाई 2025) के उपलक्ष्य में आज भारतीय बाल रोग अकादमी, कानपुर द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बाल रोग विभाग सभागार, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग भारती, डॉ. रोली मोहन, डॉ. वी. एन. त्रिपाठी, डॉ. शैलेन्द्र गौतम, एवं डॉ. अमितेश यादव ने मीडिया को दस्त से होने वाली मृत्यु और ओआरएस की भूमिका पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. अनुराग भारती ने बताया कि पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में दस्त की स्थिति में ओआरएस का प्रयोग अनिवार्य है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी को पूरा कर जीवन रक्षक की भूमिका निभाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी दस्त के इलाज में ओआरएस को अनिवार्य औषधि के रूप में मान्यता दी है। डॉ. वी. एन. त्रिपाठी ने बतायाडायरिया के दौरान तथा उसके बाद 14 दिनों तक जिंक का सेवन करने से डायरिया की गंभीरता में कमी आती है और पुन: होने की संभावना कम हो जाती है।

संदीप बाथम सपा बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के उपाध्यक्ष घोषित

कानपुर, समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश अनुसार एवं कानपुर जिला अध्यक्ष बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी की अध्यक्षता में समाजवादी पार्टी के आर्य नगर विधायक अमिताभ बाजपेई के द्वारा समाजवादी पार्टी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी जिला उपाध्यक्ष संदीप बाथम को घोषित किया गया! संदीप बाथम पुत्र तिलक राम बाथम विकास नगर कल्याणपुर निवासी काफी समय से समाजवादी पार्टी में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं मेहनत लगन को देखते हुए पद दिया गया है संदीप बाथम ने कहा कि बाबा वाहिनी जिला अध्यक्ष ने जिम्मेदारी दिए उसको तन मन से निभाऊंगा!

जनपद में ग्राम पंचायतों की विकास रैंकिंग अब डेटा आधारित

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।ग्राम पंचायतों की कार्यशैली और विकास कार्यों का आकलन अब पारदर्शी और वैज्ञानिक तरीके से होगा। इसके लिए पंचायत उन्नयन सूचकांक (पीएआई) संस्करण 2.0 को लेकर गुरुवार को सरसैया घाट स्थित सभागार में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विभागीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विभिन्न विभागों को पीएआई की प्रक्रिया से अवगत कराना और ग्राम पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए डेटा आधारित मूल्यांकन की दिशा में कदम बढ़ाना था ।जिलाधिकारी ने कहा कि अब पंचायतों की प्रगति 12 विभागों से जुड़े 174 विशिष्ट सूचकांकों के आधार पर उनकी कार्यशैली का मूल्यांकन किया जाएगा। इन सूचकांकों को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के 9 प्रमुख क्षेत्रों से जोड़ा गया है, जिसमें स्वच्छता, पोषण, शिक्षा, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन जैसे मानक शामिल हैं ।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास योजनाओं की प्रभावशीलता तभी सुनिश्चित होगी जब ग्राम पंचायत स्तर पर सटीक आंकड़े जुटाकर, उन्हें उपयोगी योजना निर्माण में लगाया जाए। पीएआई उसी दिशा में एक बड़ा कदम है ।कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी दिव्या, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ हरिदत्त नेमी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला कृषि अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने हैलेट परिसर में निर्माणाधीन 33/11 केवी उपकेंद्र का लिया जायज़ा

कानपुर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज हैलेट अस्पताल परिसर में सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के लिए बनाए जा रहे निर्माणाधीन 33/11 केवी उपकेंद्र के कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने बताया कि उपकेंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, अब केवल परिसर के भीतर भूमिगत केबल बिछाने का कार्य शेष है।1173.58 लाख की कुल लागत वाली इस परियोजना में अब तक 693.39 लाख की धनराशि अवमुक्त हो चुकी है, जबकि 613 लाख का व्यय किया जा चुका है। यह कार्य मार्च 2023 में शुरू हुआ था, जिसकी संभावित पूर्णता मार्च 2025 निर्धारित की गई थी ।परियोजना के अंतर्गत तीन मुख्य कार्य स्वीकृत हैं जिसमें उपकेंद्र का निर्माण, उपकेंद्र से हैलेट तक 33/11 केवी की भूमिगत लाइन और उपकेंद्र से मेडिकल कॉलेज तक 11 केवी फीडर लाइन बिछाना शामिल है ।पर्यवेक्षण शुल्क 39.94 लाख और बे-चार्ज 326.75 लाख का प्राक्कलन विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया है। नगर निगम द्वारा 74.45 लाख रेस्टोरेशन चार्ज की मांग की गई है, जबकि स्वीकृत बजट में इसका प्रावधान ?45 लाख का है। इसे ध्यान में रखते हुए पुनरीक्षित परियोजना प्रस्ताव 20 जून 2025 को शासन को भेजा जा चुका है। शासन से अनुमोदन प्राप्त होते ही अगली कार्यवाही की जाएगी ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निर्माण से जुड़ी सभी बाधाएं शीघ्र दूर की जाएं और कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि इस परियोजना की प्रारंभिक डीपीआर बनाने में लगभग डेढ़ वर्ष का समय लग गया, जो अत्यधिक विलंबकारी है। इस प्रकरण की जांच हेतु तीन सदस्यीय समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं, जो विलंब के कारणों की पड़ताल करेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण से जुड़ी सभी अड़चनों को दूर कर परियोजना को शीघ्र पूरा कराया जाएगा।

जमानत पर छूटे हत्या के प्रयास के आरोपी का आतिशबाजी कर किया स्वागत

कानपुर। जेल से जमानत पर छूटे हत्या के प्रयास के आरोपी का आतिशबाजी कर स्वागत करते वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दो माह पहले नजीराबाद के रंजीतनगर निवासी राहुल राजपूत, गड़रियनपुरवा के साहिल साहू और वीशू थापा के खिलाफ चकेरी निवासी इंद्राणी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि चकेरी में 17 मई को पति रोहित वर्मा पर आरोपियों ने जानलेवा हमला किया था। तीनों आरोपी जेल भेजे गए थे ।सोमवार देर शाम जेल से जमानत पर राहुल राजपूत छूटा तो जेल के बाहर करीब दो दर्जन कारों और 200 बाइकों के साथ वीआईपी रोड पर साथियों ने उसकी रिहाई की खुशी में सड़क जामकर आतिशबाजी की। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसीपी चकेरी अभिषेक कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने बारासिरोही में किया निरीक्षण, बोले- 15 दिन में ठीक कराए सड़कें, वरना होगी एफआईआर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जल निगम ने बारासिरोही में पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों को ठीक नहीं कराया। बुधवार को नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने सड़कों की हालत देख जल निगम के अफसरों और ठेकेदार को फटकार लगाई। 15 दिन में मार्ग ठीक कराने के निर्देश दिए। ऐसा न होने पर एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी। लचर सफाई व्यवस्था पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक व सफाई नायक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। जोनल स्वच्छता अधिकारी को 48 घंटे में सफाई कराने के लिए कहा।

जल निगम बारासिरोही सहित पांच वार्डों में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए 328 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछवा रहा है। चार माह में मात्र 100 किलोमीटर पाइपलाइन ही बिछ पाई है। इसकी हाइड्रोलिक टेस्टिंग भी नहीं की गई। वहीं सड़कों की मरम्मत भी नहीं कराई गई। इसकी शिकायतें मिलने पर नगर आयुक्त ने बुधवार को क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान पता चला कि जल निगम ने पाइपलाइन डालने के लिए मुख्य मार्ग को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के खोद दिया।इससे आवागमन ठप है ।यादव आटा चक्की के पास सड़क पर कीचड़, मलबा नजर आया। मां सरस्वती हॉस्पिटल के सामने सड़क धंसी मिली। कई जगह गंदगी, कूड़े के ढेर, नालियों जाम देख नगर आयुक्त ने जोनल स्वच्छता अधिकारी को फटकार लगाई और सफाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जलकल विभाग के जीएम आनंद त्रिपाठी, जोन-6 के अधिशासी अभियंता मोहम्मद शमीम, जल निगम के एई शिवगोविंद, जेई अनुराग सिंह, जोनल स्वच्छता अधिकारी विजय शंकर शुक्ला आदि मौजूद रहे।

तहसील में आपातकाल से जुड़े पोस्टर लगाने पर भड़के कांग्रेसी, किया प्रदर्शन

कानपुर। तहसील परिसर की दीवारों पर आपातकाल से जुड़े पोस्टर लगाने पर बुधवार को कांग्रेसियों ने विरोध दर्ज कराया। पार्टी महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने परिसर में धरना प्रदर्शन किया। इससे एक दिन पहले कांग्रेस ग्रामीण इकाई के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला ने इस बारे में डीएम से शिकायत की थी। इसके बाद पोस्टर को रात में ही हटवा दिया गया था।

शहर अध्यक्ष पवन ने कहा कि तहसील परिसर को भाजपा का कार्यालय बना दिया गया है। गंभीर बात यह है कि ऐसे पोस्टर किसी सरकारी कार्यालय में किसकी अनुमति से लगे। उन्होंने एसडीएम से भी विरोध दर्ज कराया ।इस दौरान प्रदेश सरकार को एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन भेजा। मौके पर धवल पांडे, सीता अग्निहोत्री, पदम मिश्रा, राज लक्ष्मी सिंह, रितेश यादव, विवेक पाल, जावेद उस्मानी, तौसीफ खान, दीपक त्रिवेदी मौजूद रहे।

जमीन दिलाने के नाम 35.50 लाख की धोखाधड़ी, दंपती समेत तीन पर रिपोर्ट

कानपुर। सचेंडी में जमीन दिलाने के नाम पर युवक से 35.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई। जब युवक ने धनराशि वापस मांगी तो आरोपी धमकाने लगा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को दंपती समेत तीन पर रिपोर्ट दर्ज की है। पनकी के ई ब्लॉक निवासी दयाराम ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सचेंडी के धरमंगदपुर निवासी मनीष सिंह, उसकी पत्नी और भाई सुमित सिंह ने जमीन दिलाने का सौदा किया था ।आरोप है कि मनीष ने 35.50 लाख रुपये यह कहकर ले लिए कि वह जमीन मालिक को भुगतान करेगा। आरोपियों ने अलग-अलग तिथियों में रुपये अपने और परिजनों के खातों में जमा कराए। आरोपियों ने रमेश, रामजीवन, गयाप्रसाद और मंगला देवी को देने के लिए गए बिना नाम के चेक से खुद रकम निकाल ली। रजिस्ट्री की बात कहने पर आरोपी टालमटोल करने लगे और बाद में मुकर गए। पीड़ित का आरोप है कि बाद में आरोपियों ने उनके पैसों से जमीन और मकान खरीद लिए है। सचेंडी इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि पूरा मामला पांच साल पुराना है। जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मस्तिष्क तक घुसी कील, डॉक्टरों ने 2 घंटे में रचा जीवन का चमत्कार

बीपीएस न्यूज

कानपुर।गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने एक ऐसा ऑपरेशन कर दिखाया, जिसे लोग चमत्कार से कम नहीं मान रहे। फतेहपुर निवासी 21 वर्षीय युवक के सिर में खुद द्वारा ठोंकी गई करीब 4 सेंटीमीटर गहरी कील मस्तिष्क तक जा पहुंची थी, जिसे डॉक्टरों ने 2 घंटे की जटिल सर्जरी के बाद सफलतापूर्वक निकाल कर युवक की जान बचाई।

घटना फतेहपुर के बड़ा गांव की है, जहां विजय कुमार नामक

युवक मानसिक तनाव और नशे की लत से जूझ रहा था। बताया जा रहा है कि मां के न रहने और पिता की नौकरी के सिलसिले में घर से बाहर रहने के चलते वह अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो गया था। हाल ही में पिता द्वारा डांटने पर विजय ने आत्मघाती कदम उठाते हुए अपने सिर में कील ठोक दी।

हालत गंभीर होने पर विजय को पहले फतेहपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए कानपुर मेडिकल कॉलेज के न्यूरो विभाग में रेफर कर दिया। वहां न्यूरो सर्जन डॉ. मनीष सिंह की निगरानी में मरीज़ की पूरी जांच की गई। एक्स-रे और सीटी स्कैन से पता चला कि कील मस्तिष्क की भीतरी परतों तक जा चुकी है और उसे खींचकर निकालना जानलेवा साबित हो सकता था।

डॉ. मनीष सिंह ने अपने सहयोगियों — डॉ. साजिदा, डॉ. प्रथमेश, डॉ. अभिषेक और डॉ. चंदन के साथ मिलकर मरीज़ को बेहोश किया, फिर सिर की हड्डियों को हटाकर सटीक तकनीक से कील को बाहर निकाला ।ऑपरेशन करीब दो घंटे तक चला और अंततः विजय को सुरक्षित बचा लिया गया ।डॉ. मनीष सिंह ने बताया, यह बेहद जोखिम भरा मामला था। अगर ज़रा भी चूक होती, तो मरीज़ को पक्षाघात या जान का नुकसान हो सकता था। लेकिन टीम वर्क और सही योजना से हम उसे बचा सके ।फिलहाल विजय की हालत स्थिर है और उसे चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है ।यह घटना न केवल चिकित्सा क्षेत्र में कौशल का उदाहरण है, बल्कि युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य और नशे की समस्या की ओर भी गंभीर संकेत देती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि ऐसे मामलों में समय रहते परामर्श, सहयोग और भावनात्मक समर्थन दिया जाना ज़रूरी है।

शिक्षक महासभा कानपुर उत्तर कानपुर दक्षिण की जिला कार्यकारिणी घोषित

कानपुर। दलित पिछड़ा अपेक्षित अल्पसंख्यक शिक्षक महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेशीय अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में जिला कार्यकारिणी घोषित। राजेश गौतम ने बताया कि दलित पिछड़ा उपेक्षित और संख्या शिक्षक महासभा पंजीकृत के कानपुर उत्तर व कानपुर दक्षिण की जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन केंद्रीय कार्यालय में संपन्न हुआ कानपुर उत्तर कानपुर दक्षिण के पदाधिकारी को पद ग्रहण से नवाजा

गया कानपुर नगर से रणजीत सिंह अध्यक्ष बीएनएसडी इंटर कॉलेज रुबाब खान महासचिव फैजान इंटर कॉलेज कनिष्ठ कुमार कोषाध्यक्ष बेसिक शिक्षा परिषद उत्तम कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीएनएसडी इंटर कॉलेज गयाप्रसाद उपाध्यक्ष चाचा नेहरू इंटर कॉलेज उत्पल वर्णा उपाध्यक्ष चाचा नेहरू इंटर कॉलेज उमेश कुमार उपाध्यक्ष डीएनएसडी इंटर कॉलेज कानपुर दक्षिण से राजेश संखवार अध्यक्ष पंडित बनी सिंह इंटर कॉलेज भीतरगांव आनंद प्रिया गौतम महासचिव सुभाष स्मारक इंटर कॉलेज पूनम कोषाध्यक्ष जीपीआरएन इंटर कॉलेज अनिल कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष डीएमयू इंटर कॉलेज आदिबरन उपाध्यक्ष चाचा नेहरू इंटर कॉलेज रईस अहमद उपाध्यक्ष पंडित बनी सिंह इंटर कॉलेज भीतरगांव संतोष कुमार उपाध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू जम्मू लोगों को पद ग्रहण समारोह द्वारा सम्मानित किया गया।

बिजली कटौती और संकट के खिलाफ जिलाधिकारी से शिकायत की

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।आज कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष ने काफी संख्या में मौजूद कांग्रेस जनों के साथ जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी कानपुर को बिजली संकट के खिलाफ शिकायत पत्र सौंपा। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करी ताकि कानपुर की जनता को राहत मिला। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने जिलाधिकारी से मांग करी कि वे तत्काल बिजली संकट खत्म करने और केस्को की शिकायत प्रणाली को सुधारने हेतु एमडी केस्को से बात करें ताकि दर्द से कराह रहे कानपुर को राहत मिले ।कांग्रेसजनों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन भी किया।

कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि इस वक्त किसी भी सबस्टेशन पर बिजली कटौती, फॉल्ट या बिजली संकट पर आमजन को जवाब देने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं है ।फोन बंद रहते हैं, या उठते नहीं या हमेशा व्यस्त रहते हैं ।जनता शिकायत करवाने के मामले में अनाथ है।

साथ ही पवन गुप्ता ने किसानों की समस्या के संबंध में भी राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा ।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता, नदीम सिद्दीकी, विवेक पाल, रवि किशन भारती, राजेश गौतम, सीता अग्निहोत्री, संजय दीक्षित, रितेश यादव, धवल पांडे, इखलाख अहमद डेविड, पदम मिश्रा, आनंद शुक्ला, अजय श्रीवास्तव शीलू, मोहित दीक्षित, उपेन्द्र यादव, धर्मेंद्र सिंह चौहान, राकेश साहू, राम शंकर राय, विशाल जायसवाल, मुके शा कन्नौजिया, आजाद बौद्ध, निर्भय अवस्थी, अमरनाथ वाल्मीकि, विनोद अवस्थी, रवि पाल आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

स्कूली वाहन में बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी द्वारा बैठक आयोजित की गई

बीपीएस न्यूज

कानपुर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में नवीन सभागार में सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई।

विद्यालयों में परिवहन सुरक्षा समिति का गठन होसमिति में विद्यालय के प्रधानाचार्य, दो अभिभावक , दो बस ऑपरेटर, परिवहन विभाग तथा पुलिसके अधिकारी रहे।

यह समिति जनपद के समस्त स्कूलों में बनाई जाए, जिसे गूगल सीट के मामध्म से बनाया जाए ताकि सभी अधिकारी आसानी से जुड़ सके जनपद में एक सप्ताह के अंदर कमेटी का गठन सुनिश्चित किया जाए। जिसकी समीक्षा परिवहन विभाग द्वारा की जाए।जनपद के समस्त स्कूली वाहनों की सुरक्षा के दृष्टिगत अभियान चलाकर जांच की जाए जिसमें वाहन में फर्स्ट एडबॉक्स, सीसीटीवी कैमरा, वहां की फिटनेस, डाइवर की ड्रेस जीपीएस डिवाइज, क्षमता से अधिकबच्चे न बिठाए इत्यादि बिंदुओं पर परिवहन विभाग द्वारा जांच की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ भारी भरकम अर्थ दंड की कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने ए आर टी ओ को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामीबैठकों में 5 स्कूलों तथा 5 बस चालकों का सम्मान किया जाए जिनके द्वारा परिवहन विभाग के नियमों का पालनकिया जा रहा है।बैठक में विधायक घाटमपुर सरोज कुरील ने कहा कि इस बात का भी पालन किया जाए की शहरी क्षेत्र से अनफिट स्कूली वाहनजो हटाए गएहै वो किसी भी स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में न चले इसकी चैकिंग करकार्यवाही की जाए ।

इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी बैठक में दिए गए निर्देशों का फोटोग्राफ के साथ की गईकार्यवाही का प्रस्तुतिकारण भी किया जाए।

एआर टी ओ को निर्देशित करते हुए कहा स्कूली वाहनोंके चालक तथा अन्य कामर्शियल वाहनों के द्वारा यदि लगातार 10 चालान हुए है तोउनकी सूची बनाते हुए उनकेपरमिटकैंसिलेशनकर ड्राइवर के खिलाफकार्यवाही करनासुनिश्चित किया जाए।परिवहन विभाग द्वारा यह सुनिश्चित करायाजाए कीशिक्षण संस्थान के नाम पंजीकृत बस एवं किसी विद्यालय /महाविद्यालय में अनन्य रूप से संचालित विद्यालय वाहन पीले रंग के ही हो।

शिक्षक सस्थान के नाम पंजीकृत वाहन,में आगे तथा पीछे विद्यालय का नाम आवश्य अंकित हो तथा यह भीसुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूली वाहनों में यह भी आवश्यक अंकित कराया जाए किचालक द्वारा गलत तरीके से वाहन चलानेकी शिकायत करने हेतुनंबर भी आवश्यक अंकित किया जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देशित करते हुए कहा कि स्कूली बसों में इमरजेंसी सीट में किसी भी तरह अवरोध न हो,परिवहन विभागद्वारा औचक निरीक्षण कर यह भी सुनिश्चित किया जाए यदि बस में इमरजेंसी गेट में किसी प्रकारका अवरोध मिलता है तो सम्बन्धित बस ड्राइव के खिलाफ समन शुल्क की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

पूर्व बैठक में हमीरपुर–सागर मार्ग के 12 ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य एनएचएआई एवं संबंधित विभागों द्वारा किए कार्यकी समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त किए गए कार्योंकीनिरंतर निगरानी रखी जाए।स्थानीय लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया जाए।जनपद में किसी भी स्थिति में हमीरपुर–सागर मार्ग पर मोरंग धुलाई का कार्य नहीं होना चाहिए।इसके लिए लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग, एवं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सतर्क निगरानी हेतु निर्देशित किया गया।यदि मार्ग में कहीं भी मोरंग धुलाई होती पाई जाती है तो तत्काल जिला खनन अधिकारी एवं भूगर्भ अधिकारी को सूचित करे ताकि उनके द्वारा कड़ी कार्यवाही की जा सके,बैठक में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सलिल बिश्नोई, घाटमपुर विधायक सरोज कुरील, ए.आर.टी.ओ., लोक निर्माण विभाग के अधिकारी, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्कूलों की क्लोजर मर्जर स्कीम को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की गई

कानपुर, श्रम संहिता समाप्त करने लिए और मजदूर भाइयों दलितों अल्पसंख्यकों पर किए जा रहे उत्पीड़न शोषण के विरोध में पीडीए समाज की शिक्षा समाप्त करने के विरोध में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पांच सूत्रीय ज्ञापन कानपुर महानगर जिला अध्यक्ष मजदूर सभा सोनू वर्मा द्वारा जिलाअधिकारी के माध्यम से महामहिम राजपाल को सौंपा गया। पीडीए ज्ञापन में मजदूरों के वरिष्ठ नेता रामगोपाल पुरी के नेतृत्व में मजदूरों की मुख्य समस्याओं पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष छात्र सभा सुनील यादव ने स्कूलों की क्लोजर मर्जर स्कीम को तत्काल प्रभाव से वापस लेने मांग की। ज्ञापन में मुख्यत मजदूर सभा प्रदेश सचिव शेषनाथ यादव, महानगर अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ राजेश कश्यप, डा सी एस यादव, हरिभजन यादव, उमा देवी, महानगरमहासचिव राहुल श्रीवास्तव, महबूब आलम, रिंकू यादव, अजीत सिंह, निर्मल यादव, बलिंदर यादव, संजय कुशवाहा ,संतोष पाल शुभम यादव ,संजय यादव धर्मेंद्र यादव ,वीरेंद्र यादव आदि साथी समाजवादी साथी मौजूद रहे।

पांच सूत्री मांगों को लेकर मजदूर सभा जिलाध्यक्ष ओमकार यादव ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

बीपीएस न्यूज

कानपुर, समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण मजदूर सभा जिला अध्यक्ष ओमकार यादव की अध्यक्षता में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सोपा गया ज्ञापन के दौरान कहां की उत्तर प्रदेश सरकार की तानाशाह रवैया के चलते प्रदेश के किसान मजदूर तथा नौजवान भूखमरी के कगार पर पहुँच गये है। जहाँ प्रदेश सरकार की गलत नीतियों की वजह से इस प्रदेश का किसान, मजदूर, रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर है, वहीं पढ़ा लिखा नौजवान रोजगार न मिलने पर अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो रहा है। प्रदेश का दुर्भाग्य है कि जहाँ इए प्रदेश के लगभग 5. हजार प्राथमिक विद्यालय बन्द करना व मन्दिरों व धार्मिक मेलों पर सरकारी बजह को बढाना सरकार की अदूरदर्शिता स्पष्ट होती है। दूसरी तरफ पुलिस की निरंकुशता ने प्रदेश के थानें में हो रही बन्दियों की मौत के आकड़ों ने आजादी के बाद के सारे रिकार्ड तोड़ दिये है। समाजवादी मजदूर सभा उ0प्र0 के कार्यकर्ता अपने पांच सूत्रीय मांग पत्र प्रेषित कर रहे है।– मनरेगा मजदूरों को वर्ष में 300 दिनों का कार्यदिवस व 600/– प्रतिदिन मजदूरी हो।

श्रम पोर्टल को तत्काल खोल दिया जाय तथा लाभार्थी को उसका लाभ दिया जाये।पुराने श्रम कानूनों को बहाल किया जाय तथा नये श्रम संहिता को समाप्त किया जाये।प्रदेश के लगभग पांच हजार प्राथमिक विद्यालयों को बन्द होने से रोका जाय। पुलिस द्वारा दलितों एवं अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न बन्द हो। ज्ञापन के दौरान मजदूर सभा ग्रामीण अध्यक्ष ओमकार यादव प्रदेश सचिव रविंद्र यादव प्रदेश सचिव पुनीत शुक्ला जिला महासचिव विनोद यादव विधानसभा अध्यक्ष घाटमपुर मधुर सचान विधानसभा महासचिव घाटमपुर केशव वर्मा जिला महामंत्री रजत यादव जिला उपाध्यक्ष किशन लाल गौतम जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव यशवती अंकित यादव सुरेश कुशवाहा दो अकमल सिद्दीकी वार्ड अध्यक्ष छोटे सिंह यादव पाली सुजीत यादव गौरव सिंह आदि लोग रहे!

व्यापारियों ने यातायात डीसीपी को सौंपा ज्ञापन

यातायात पुलिस कर्मी मनचाहा व्यापारियों के वाहनो का चालान कर रहे हैं

कानपुर, व्यापारियों ने यातायात पुलिस कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस यातायात के कानून को लेकर सक्रिय हो चुकी है लेकिन कहीं–कहीं पर नो एंट्री का बोर्ड ना लगने से वाहन स्वामियों को भारी चालान का सामना करना पड़ा है ऐसा ही प्रकरण व्यापारी नेता के साथ हुआ व्यापारी रौवेल गुप्ता का व्यापार भाड़ा पहुंचने का काम है नो एंट्री का बोर्ड ना लगने से वहां को ड्राइवर ले घुसा फिर क्या था ट्रैफिक के सिपाही ने चालान कर दिया चालान कुछ ही मिनट में वाहन स्वामी के पास पहुंच गया। आज दिनांक 23 जुलाई 2025 को व्यापारियों के साथ हो रहे वाहनों के चालान की विरोध में एकत्रित होकर विनोद गुप्ता क्षेत्रीय संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र ने डीसीपी ट्रैफिक से वार्ता की बताया कि व्यापारी के साथ मनचाहा चालान करना, ट्रैफिक विभाग की लापरवाही नो एंट्री बोर्ड ना लगा होने के कारण कोई भी वाहन चालक गाड़ी लेकर पहुंच जाएगा मार्बल मार्केट में आने वाली खड़ी गाड़ियों की फोटो खींचकर वाहन चालान किए जाते हैं गाड़ी खाली होने पर बाबा कुटिया के रास्ते निकालने जाने की अनुमति प्रदान की जाए रौवेल गुप्ता ने बताया कि एक ही रास्ते से आवा गमन चालू है लेकिन जबरियां तरीके से व्यापारियों की गाड़ियों का चालान करना उनका शोषण करना यह बात अच्छी नहीं है। 15 दिन से सब अधिकारियों के आसपास भटक रहा हूं निष्कर्ष कुछ नहीं निकला आगे व्यापारियों ने यातायात पुलिस ने व्यापारियों का इतना शोषण कर दिया है व्यापार चौपट होता जा रहा है डीसीपी ट्रैफिक ने आश्वासन दिया कि जांच कराकर समस्या का समाधान करूंगा। व्यापारियों ने कहा कि अगर चालान के नाम पर शोषण बंद नहीं किया गया तो उच्च अधिकारी एवं शासन प्रशासन तक जाने का काम करेंगे! विनोद गुप्ता ने बताया कि वार्ता के दौरान तीन दिन का समय टीसीपी ट्रैफिक को दिया है तीन दिन तक अगर हमारा कार्य संपन्न नहीं हुआ तो शासन तक जाएंगे ज्ञापन के दौरान विनोद गुप्ता क्षेत्रीय संयोजक भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र, व्यापारी रौबेल गुप्ता, विजय गुप्ता हिमांशु पाल, राज कुमार गुप्ता, विजय गुप्ता,विनोद गुप्ता,रजत गुप्ता, शरद गुप्ता, गप्पू गुप्ता, रिशु अग्रवाल,संजय यादव,राहुल साहू,वैभव अग्रवाल,अमित गुप्ता, जितेंद्र,घनश्याम गुप्ता,कन्हैया ,पवन गुप्ता,नीरज सिंह चंदेल,सुनील यादवशैलेंद्र दीक्षित हर्षित उमर जितेंद्र त्रिवेदी संजय जैन सत्येंद्र गुप्ता दीपक गुप्ता शीतोष शुक्ला मोहम्मद शकील ज्ञानेंद्र सचान प्रदीप तोमर आदि लोग रहे।

उत्तर प्रदेश ऑटो-लोडर संयुक्त कल्याण समिति ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया

कानपुर उत्तर प्रदेश ऑटो लोडर संयुक्त कल्याण समिति ने प्रदेश कार्यालय पार्किंग नंबर चार एक्सप्रेस रोड पर प्रेस वार्ता का आयोजन किया प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजीव जायसवाल विक्की ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों की लापरवाही की ओर आकर्षित किया व्यापार खत्म करने लगे हैं आगे बताया कि सरकार के अधिकारी एवं कर्मचारी व्यापार करने नहीं दे रहे हैं जिसको लेकर 24 जुलाई को धरना लखनऊ ईको गार्डन में धरना देने हो सकता प्रदेश में बैठी सरकार की आंखें खुल जाए। आगे कहां की हमारी संस्था द्वारा सभी गाड़ी वालों को आरटीओ द्वारा हो रहे ओवरलोडिंग का चालान 30/7/2020 के कानून का हवाला देकर 30000 से 40000 तक का जुर्माना लगा देना आरटीओ द्वारा गाड़ी पकडे जाने पर ड्राइवर का मोबाइल छीन लेना और व्यापारी द्वारा बात करने पर उसके साथ मारपीट करना

आरटीओ द्वारा गाड़ी पकड़े जाने पर जुर्माना राशि को बढ़ाने के लिए बिना बिना फोटो के सीट बेल्ट का चालान करना व गाड़ी वहीं ना रुकने पर 8000 तक का जुर्माना राशि बढ़ा देना हमारी गाड़ी बिना परमिट के होने पर भी हमसे परमिट का जुर्माना राशि वसूल करना और जुर्माना राशि को ?22000 टन से लागू करना जबकि हमारी गाड़ियों पर ?3000 पहले टन का जुर्माना लागू: होना चाहिए यदि हमारी गाड़ी 30/07/2020 मोटर अधिनियम कानून के तहत आती है तो हमारी गाड़ियों का ग्रॉस वेट 2950 से 4950 कराई जाए जब तक हमारे गाड़ियों पर सरकार द्वारा संशोधन नहीं होता है तब तक हमारी गाड़ी से 4950 तक हमसे जुर्माना राशि 1988 मोटर अधिनियम कानून के तहत ही वसूला जाए

ओवरलोड 4950 के ऊपर होने पर ड्राइवर का सस्पेंड नहीं किया जाए हमारी गाड़ी जो की एक जिले से दूसरे जिले में दूध फल सब्जी जरूरत का सामान यह सब लेकर के जाती हैं हमारी बात सरकार तक पहुंचाया जाए ताकि मोटर अधिनियम में बदलाव हो सके और संपूर्ण उत्तर प्रदेश में लोगों को इसका लाभ मिल सके !हम छोटी गाड़ी वालों से 1988 मोटर अधिनियम के तहत ही जुर्माना शुल्क वसूला जाए हम पर 30/7/2020 मोटर अधिनियम कानून को जबस्दस्ती ना लगाया जाए। राजीव जसवाल विक्की प्रदेश अध्यक्ष रामऔतार प्रजापति (प्रदेश महामंत्री) प्रदेश सचिव, रूहिद खान बीटू,दिवाकर मिश्रा, राजेंद्र जयसवाल राजू, संजीव कुमार जायसवाल विपिन (उपसचिव)जितेंद्र कुमार रतन (कार्यकारी उपाध्यक्ष)वसीमुद्दीन, विनय जायसवाल, उमाशंकर कुणाल मिश्रा,अजय साहू दीपू गुप्ता, राकेश कश्यपराजवंत सिंह, सुरजीत, आदि लोग रहे।

प्रदेश सरकार से प्राथमिक विद्यालयों को बन्द करने के आदेश को निरस्त करवाने की मांग की

विद्यालयों के बन्द होने एवं रसोइयों की समस्याओं के विरूद्ध सामूहिक धरना ज्ञापन

बीपीएस न्यूज

कानपुर, समाजवादी महिला कानपुर महानगर अध्यक्ष सुलेखा यादव के नेतृत्व में ज्ञापन के माध्यम से प्रदेश सरकार द्वारा प्राथमिक विद्यालयों को बन्द करने पर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए बताना चाहती है कि प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा गरीब पिछड़े एवं दलित समाज के बच्चों की शिक्षा छीनने की सोची समझी साजिश के तहत हजारों प्राथमिक विद्यालयों को बन्द किया जा रहा है यह कदम न केवल संविधान की आत्मा के विरूद्ध है बल्कि सामाजिक न्याय और समान अवसर के मूल सिद्धान्तों का भी उल्लंघन है साथ ही साथ इन विद्यालयों में कार्यरत हजारों रसोइयों जो अधिकांश गरीब विधवा एवं निराश्रित महिलाएं हैं इनका रोजगार भी संकट में आ गया है जिससे इन महिलाओं के साथ–साथ उनके बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित नही रह गया है सरकार द्वारा किया गया यह कृत्य महिला सशक्तिकरण की मूल भावना को भी ठेस पहुँचा रहा है।महिला सभा अध्यक्ष सुलेखा यादव ने आगे बताया कि भाजपा सरकार हजारो प्राथमिक विद्यालयों को बन्द करके प्रदेश के गरीब दलित अल्प संख्यक मजदूर किसान के बच्चों को शिक्षा से दूर रखकर अशिक्षा को बढ़ावा दे रही है गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे शिक्षा से दूर हो जायेंगे तथा प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ जायेगी तथा आपराधिक घटनाओं में इजाफा हो जायेगा प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के सामने भी प्राथमिक विद्यालय बन्द होने से रोजी रोटी का बड़ा संकट खड़ा हो जायेगा जिससे गरीब मजदूर दलित पिछड़े वर्ग के बच्चों का भविष्य भी अन्धकार मय हो जायेगा। भाजपा की प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप करके प्राथमिक विद्यालयों को बन्द करने के आदेश को निरस्त करवाने का कार्य करें! शाहीन फातिमा प्रदेश सचिव ने कहा कि आरटीई कानून के अनुसार प्रत्येक बस्ती में 1 किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय और तीन किलोमीटर के दायरे में उच्च प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्था पुणे सुनिश्चित की जाए! ज्ञापन के दौरान महिला सभा अध्यक्ष सुलेखा यादव, प्रदेश सचिव शाहीन फातिमा, पूजा यादव सिंपल सिंह पुष्पा कुशवाहा शन्नू बेगम मीरा अंजली सोनकर सोनी गुप्ता बंदना दिवाकर माही सिंह, सज्जाद खान इरफान मंसूरी आदि लोग रहे।

जिलाधिकारी कार्यालय में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को कराया गया समाप्त

कानपुर। बिल्हौर इंटर कॉलेज बिल्हौर कानपुर नगर में सरकार की महत्वाकांक्षी योजना व्यावसायिक शिक्षा ट्रेड अध्यापक प्रशिक्षण (एनटीटी) में अतिथि विषय विशेषज्ञ के रूप में सत्र 2010–11 से नियुक्त हैं सत्र 2014–15 से लगातार प्रतिवर्ष प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव के द्वारा व्यावसायिक शिक्षा ट्रेड अध्यापक प्रशिक्षण (एनटीटी) में कक्षा 11 व 12 के छात्र–छात्राओं के प्रवेश में बाधा डाली जाती रही है, प्रत्येक वर्ष प्रार्थी को कक्षा 11 व 12 के छात्र–छात्राओं के प्रवेश हेतु जिलाधिकारी/ उप जिलाधिकारी/ जिलाविद्यालय निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देना पड़ता है जिलाधिकारी/ उप जिला अधिकारी/ जिलाविद्यालय निरीक्षक के आदेश पर छात्र–छात्राओं के प्रवेश तो ले लिए जाते हैं किंतु बाद में छात्र–छात्राओं को उत्पीड़न का भय दिखाकर उनका अन्य वर्गों में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

वर्तमान नवीन सत्र 2025–26 में प्रबंधक के द्वारा अध्यापक प्रशिक्षण (एनटीटी) कक्षा 11 में एक भी छात्र–छात्राओं का प्रवेश नहीं लिया गया है।

छात्र–छात्राओं से प्राप्त शुल्क को हड़पने के उद्देश्य से अपने पास रखा गया है। इस अवैध वसूली की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक से की थी किंतु जिला विद्यालय निरीक्षक ने जांच करवाकर कोई कार्रवाई नहीं की।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर प्रार्थी के द्वारा संदर्भ संख्या 15164240195035 दिनांक 22.10.2024, संदर्भ संख्या 12164250002025 दिनांक 6.1.2025 व संदर्भ संख्या 40016425030768 दिनांक 14.05.2025, संदर्भ संख्या 40016425041867 दिनांक 4.7.2025) व शिक्षक प्रकोष्ठ कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी के डॉ.शैलेंद्र द्विवेदी के द्वारा संदर्भ संख्या 20016425011399 विद्यालय प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव के खिलाफ शिकायत की थी।

जिसके सापेक्ष जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर के द्वारा प्रबंधक से अभिलेख मांगे गए हैं। जांच गतिमान है, जांच पूर्ण होने के उपरांत गुण दोष के आधार पर कार्रवाई की जाएगी टिप्पणी लगाकर शिकायत को प्रबंधक के विरुद्ध बिना कोई कार्रवाई किए पुंजित/निस्तारित कर दिया जाता है।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कक्षा 6, 7 व 8 के छात्र–छात्राओं से किसी भी प्रकार के शुल्क लेने पर रोक है, किंतु प्रबंधक प्रभाकर श्रीवास्तव के द्वारा

अवैध वसूली की शिकायत जिला विद्यालय निरीक्षक से की थी और जिला विद्यालय निरीक्षक ने जांच करवाई व शिकायत की पुष्टि हुई परंतु प्रबंधक के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिला अधिकारी जी विद्यालय की उक्त शिकायतों के स्थाई समाधान हेतु भ्रष्ट प्रबंधक व प्रबंध समिति को भंग कर कंट्रोलर नियुक्त करने की मांग कई बार प्रार्थी के द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक से की लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पता नहीं क्यों भ्रष्ट प्रबंध समिति को भंग कर कंट्रोलर नियुक्त नहीं किया जा रहा है।

इस आश्वासन पर शिक्षक विधायक चंदेल एवं डॉ. शैलेंद्र द्विवेदी के द्वारा जूस पिलाकर प्रार्थी शैलेन्द्र अवस्थी का अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल को समाप्त कराया गया। अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जिलाधिकारी कार्यालय में प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के

जिला महामंत्री राहुल मिश्रा, राम प्रकाश शुक्ला, गोपाल शरण सिंह सेंगर, निजामुद्दीन, सत्येंद्र शुक्ला, चंद्रदीप यादव, प्रेमचंद त्रिपाठी समेत कई शिक्षक उपस्थित रहे।

रिश्तों का कत्ल, जमीन के लिए कलयुगी बेटे ने माता-पिता और बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में जमीन विवाद में रिश्तों का ही कत्ल हो गया।

ये कत्ल किसी और ने नहीं एक कलयुगी बेटे ने किया है, जो माता-पिता के एक फैसले से इतना खफा हो गया हो गया कि रिश्तों का ही कत्ल कर बैठा। यहां शिवराम यादव और उनकी पत्नी ने अपनी जमीन के कुछ हिस्से को अपनी बेटी की नाम कर दिया। इस बात से उनका बेटा अभय यादव नाराज रहने लगा और घर में झगड़ा होने लगा।

जमीन विवाद को लेकर घर में आए दिन कलेश होती थी, एक दिन यही झगड़ा इतना बढ़ गया और अभय यादव रिश्तों की मर्यादा भूल गया और गुस्से में आकर अपने माता-पिता और बहन की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी और फरार हो गया। इस ट्रिपल मर्डर से इलाके में दहशत फैल गई। गांव वाले जब खेत पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि शिवराम यादव, उनकी पत्नी और उनकी बेटी की कटी हुई लाशें पड़ी हुई हैं।

तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। ट्रिपल मर्डर की खबर सुनते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और तीनों लाशों को कब्ज में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। गाजीपुर के एसपी, डॉ. इरज राजा ने बताया कि शिवराम यादव और उनकी पत्नी और उनकी बेटी की हत्या हुई है और यह हत्या उनके बेटे अभय यादव के द्वारा की गई है। इनके बीच में कुछ प्रॉपर्टी विवाद भी सामने आया है। जो मृतक है उन्होंने अपनी कुछ संपत्ति अपनी बेटी के नाम कर दी थी इस बात से ही बेटा अभय यादव नाराज थाष आज इसी बात को लेकर दोनों में कुछ कहा सुनी हुई और उसके बाद फिर इस घटना को अंजाम दिया गया।

इस घटना में शिवराम यादव उनकी पत्नी और उनकी बेटी की हत्या हुई है। इसमें तत्काल तीन टीम में गठित कर दी गई है जो मुजरिम की तलाश में जुट गई हैं। अधिकारी गणों ने और क्राइम यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। घटना से जुड़े अहम साक्ष्य यहां से तलाश किए जा रहे हैं। बहुत ही जल्द अभियुक्त को पड़कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों की बल्ले-बल्ले! मासिक पेंशन 6 हजार से बढ़कर 15 हजार हुई

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को 'बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के तहत पत्रकारों की मासिक पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की। पात्र पत्रकारों को अब 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जो पहले 6,000 रुपये प्रति माह थी।

इसके अलावा, इस योजना के तहत पेंशन प्राप्त करने वाले पत्रकार की मृत्यु होने पर, मृतक की पत्नी को आजीवन 10,000 रुपये प्रति माह पेंशन मिलेगी। पहले ऐसी महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह मिलते थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संबंधित विभाग को निर्देश दे दिए हैं।

इसको लेकर नीतीश ने एक्स पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रू? की जगह 15 हजार रू? पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मृत्यु होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रुपये की जगह 10 हजार रुपये की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया है ।उन्होंने आगे लिखा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हमलोग शुरू से ख्याल रख रहे हैं ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें और सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस कदम को जेडीयू का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

जिस्मफरोशी का पकड़ा गया रैकेट, होटल के बेड पर आपत्तिजनक हालत में थीं 10 लड़कियां-6 लड़के

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। कसया थाना क्षेत्र स्थित होटल पर्ल और उत्सव मैरिज लॉन में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने छापा मारकर 10 युवतियों और 6 युवकों को आपत्तिजनक हालत में गिरफ्तार किया। होटल में देह व्यापार का धंधा बेहद सुनियोजित तरीके से चलाया जा रहा था ।पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इन होटलों में अनैतिक गतिविधियां चल रही हैं। इसके बाद पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी कुन्दन कुमार सिंह के नेतृत्व में कसया थाना और महिला थाना की टीम ने संयुक्त छापेमारी की। होटल के कमरों में ग्राहकों और युवतियों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया ।गिरफ्तार युवतियों ने पूछताछ में बताया कि होटल संचालक नवीन सिंह प्रत्येक सौदे के एवज में पैसे वसूलता था। पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए होटल में एक विशेष व्यक्ति को तैनात किया गया था ।इस नेटवर्क को नवीन सिंह और उसका फरार साथी सीपीएन राव मिलकर चला रहे थे। पुलिस अब सीपीएन राव की तलाश में दबिश दे रही है ।पुलिस ने मौके से दो चारपहिया वाहन, 8 मोबाइल फोन, 10,700 नकद, आपत्तिजनक दवाईयां,

बियर की बोतलें और ब्यूटी प्रोडक्ट बरामद किए हैं। गिरफ्तार युवक गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर के रहने वाले हैं, जिनकी उम्र 18 से 28 साल के बीच है। थाना कसया में मामला दर्ज कर लिया गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ दो होटलों की कहानी है या कुशीनगर में और भी ऐसे देह व्यापार के अड्डे फल-फूल रहे हैं? क्या इन होटलों को किसी रसूखदार का संरक्षण प्राप्त था?

निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक, इलाहाबाद हाईकोर्ट की फटकार

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मरीजों के साथ गिनी पिग या एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के खिलाफ एक डॉक्टर की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि आजकल नर्सिंग होम और अस्पतालों में अपर्याप्त डॉक्टरों या बुनियादी ढांचे के बावजूद मरीजों को इलाज के लिए लुभाना आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं ने मरीजों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें गिनी पिग/एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है ।इसलिए, अदालत ने नर्सिंग होम के मालिक डॉ. अशोक कुमार राय की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने एक गर्भवती महिला को प्रसव और सर्जरी के लिए भर्ती किया था, जबकि एनेस्थेटिस्ट नर्सिंग होम में देर से पहुँचा था और भ्रूण की मृत्यु हो गई थी। डॉक्टर ने इस मामले में अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों को संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उन लोगों को नहीं जो बिना उचित सुविधाओं, बुनियादी ढांचे या डॉक्टरों के नर्सिंग होम चला रहे हैं और केवल मरीजों को लूट रहे हैं।

मंच पर चढ़ने को लेकर भिड़े सपाई, जमकर हुई धक्का-मुक्की, आधा घंटे हंगामा

अलीगढ़ । अलीगढ़ में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री के सामने सपाइयों में जमकर धक्का-मुक्की हुई। हंगामा भी हुआ। इस दौरान कई के कपड़े फट गए। संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस समारोह में मंच पर चढ़ने को लेकर विवाद हुआ।

अलीगढ़ में संविधान का सम्मान बनाए रखने के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा आयोजित संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम में सपाइयों ने अपनी पार्टी के अनुशासन को तार-तार कर दिया। मंच पर चढ़ने को लेकर कार्यकर्ता पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री के सामने ही भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसमें कई कार्यकर्ताओं के कपड़े भी फट गए ।पार्टी में वर्षों से चली आ रही गुटबाजी शनिवार को संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस समारोह में सामने आ गई। पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इस्हाक, पूर्व विधायक वीरेश यादव और जिला महासचिव मनोज यादव में पूर्व विदेश राज्य मंत्री सलीम इकबाल शेरवानी के सामने भरे मंच पर गाली-गलौज शुरू हो गई। बाद में दोनों के समर्थकों में जमकर मारपीट हुई।

इसमें कई समर्थकों के कपड़े भी फट गए। इस अफरा-तफरी भरे माहौल को देखकर छर्रा पूर्व विधायक राकेश सिंह कार्यक्रम छोड़ कर चले गए। कार्यक्रम स्थल पर करीब आधा घंटा तक हंगामा होता रहा ।संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन आईटीआई रोड पर स्थित एक लॉज में किया गया। महानगर कमेटी ने सुबह करीब 11 बजे से कार्यक्रम शुरू करा दिया। कार्यक्रम में भारी संख्या में सपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे।

शुरुआत से ही कार्यक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर टिप्पणी शुरू हो गई। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने मंच पर लगे बैनर पर जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर का फोटो न होने का विरोध किया। एक बजे तक कार्यक्रम ठीक से चलता रहा। सवा एक बजे के करीब मुख्य अतिथि सलीम इकबाल शेरवानी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

मंच पर बैठने को लेकर पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इस्हाक और जिला महासचिव मनोज यादव के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि जिला महासचिव को मंच पर किसी ने गाली दे दी। इसके बाद दोनों में गाली-गलौज होने लगा। बीच में पूर्व विधायक वीरेश यादव भी कूद पड़े और जिला महासचिव से तू-तू, मैं-मैं शुरू हो गई।

इतने में विधायक के समर्थकों ने मनोज यादव को मंच से धक्का देकर नीचे गिराना चाहा। यह देख जिला महासचिव के समर्थक मंच पर चढ़ गए और वीरेश यादव के समर्थक की जमकर पिटाई कर दी। करीब 10 मिनट तक पूरे मंच पर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

बीच बचाव करने उतरे पुलिस कर्मी भी सपाइयों के आगे बेबस नजर आए। 20 मिनट तक मंच के नीचे समर्थकों ने जमकर हंगामा किया।

मनोज यादव ने हाथ जोड़ कर पदाधिकारियों को समझा बुझा कर शांत कराया। इसके बाद पूर्व विदेश मंत्री ने सभा को संबंधित करते हुए कहा कि जमीन से जुड़ कर कार्य करने वाला ही असली नेता होता है। माहौल बनाने में समय नहीं लगता, मगर माहौल को लगातार बनाए रखने वाला व्यक्ति की असल नेता है। दो से तीन मिनट के भाषण के बाद वह मंच से नीचे उतर आए। मेधावी छात्राओं में रेंजर साइकिल वितरित की। कार्यक्रम में हुए विवाद पर पूर्व विदेश मंत्री सलीम शेरवानी ने कहा कि यह 2027 की गर्मी है। 2027 में सरकार बनेगी उसका जोश लड़कों में अभी से आ गया है। हर घर में हर पार्टी में कुछ न कुछ इखिलाफ होते हैं। हमें उसको नजर अंदाज करना चाहिए।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक सम्पन्न

कानपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त उ0प्र0 की पुरानी पेंषन बहाली, आठवाँ वेतन आयोग के विधिवत गठन किये जाने एवं शासन व विभागाध्यक्ष स्तर पर सेवा संगठनों की मांगों को निस्तारण किये जाने हेतु तथा मुख्य सचिव, उ0प्र0 द्वारा निर्गत शासनादेष के अनुपालन में प्रत्येक माह आयोजित की जाने वाली बैठकों को नियमित रूप से आहूत करने की मांग प्रमुखता से पूर्ण कराने हेतु राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक सम्पन्न की गई, बैठक में प्रमुखता से उक्त मांग उठायी गयी।

लखनऊ आदि राज्य कर्मचारी संयुक्त उ0प्र0 के प्रदेष अध्यक्ष एस0पी0 तिवारी की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग के संघ कार्यालय में प्रदेष स्तर की बैठक सम्पन्न हुयी, जिसमें पूरे प्रदेष के कर्मचारियों व षिक्षकों की समस्याओं के सम्बन्ध में प्रदेष से विभिन्न संगठनों से आये पदाधिकारियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया। साथ ही प्रमुख रूप से कर्मचारियों की पुरानी पेंषन बहाली, आठवाँ वेतन आयोग के विधिवत गठन किये जाने एवं शासन व विभागाध्यक्ष स्तर पर सेवा संगठनों की मांगों को निस्तारण किये जाने हेतु मुख्य सचिव, उ0प्र0, शासन द्वारा प्रत्येक माह की जाने वाली बैठकों हेतु निर्गत शासनादेष का अनुपालन सभी विभागों द्वारा सुनिष्चित कराये जाने हेतु नियमित रूप से मासिक बैठकें कर्मचारी समस्याओं के निदान हेतु किये जाने की मांग सरकार से मांग की गयी।

इस ओर सरकार को ध्यान देते हुए नयी भर्तियाँ कराते हुए विभागों में कर्मचारियों को दिये जा रहे अत्यधिक कार्य की समस्याओं का समाधान कराये जाने हेतु प्रषिक्षण आदि की भी व्यवस्था कराई जाय।

बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए प्रदेष के संगठन मंत्री राजा भरत अवस्थी को यह जिम्मेदारी दी गयी है कि प्रदेष स्तर पर मण्डलीय मंत्रियों से सामंजय बनाते हुए जिला स्तर की इकाईयों का गठन 02 माह के अन्दर कराये जाने का कार्यभार दिया गया। बैठक का संचालन परिषद के प्रदेश महामंत्री संजय कुमार शुक्ला ने किया।

परिषद की आगामी बैठक दिनांक 24.08.2025 को निर्धारित की गयी। बैठक में प्रमुख रूप से कई विभागों के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया

,जिसमें प्रमुख रूप से रामलखन, मनीष कुमार शुक्ला, नन्दलाल यादव, संजय सिंह, सुलोचना मौर्य, प्रीती सिंह सेंगर, बसंत लाल, सतीष श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र सिंह, अमित यादव, अजय द्विवेदी, रणधीर सिंह, धर्मेन्द अवस्थी, प्रवीण भारती, चन्द्र मोहन शाह, मो0 अली मक्की, आर0पी0 मिश्रा आदि कर्मचारी नेता सम्मिलित रहें।

सांड के हमले में घायल बुजुर्ग महिला का किया गया नि:शुल्क ऑपरेशन

कानपुर। गोविंद नगर की 71 वर्षीय सरोज देवी रोज़ की तरह सुबह टहलने निकली थीं। कुछ ही दूर पहुँची थीं कि अचानक एक बेकाबू सांड ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। सरोज देवी ज़मीन पर गिर पड़ीं और तेज़ दर्द के कारण हिल भी नहीं सकीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की और परिजनों को सूचना दी। गंभीर अवस्था में उन्हें नज़दीकी एक अस्पताल ले जाया गया।

डॉक्टरों की जांच में पता चला कि उनके पैर की हड्डी बुरी तरह टूट चुकी है और तत्काल ऑपरेशन की आवश्यकता है। इलाज पर अनुमानित खर्च करीब 40,000 रुपये बताया गया, जिसमें 15,000 रुपये की रॉड (लॉन्ग पीएफएन) भी शामिल थी।

सरोज देवी का परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। उनके नाती विशाल रोज़ाना मज़दूरी कर जैसे-तैसे परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। इतने बड़े खर्च की व्यवस्था उनके लिए लगभग असंभव थी। कुछ दिन तक प्रयास करने के बाद जब कोई रास्ता नहीं निकला, तो विशाल ने जनता दर्शन में पहुँचकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से सीधे मुलाक़ात की और पूरी घटना से अवगत कराया ।डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल हस्तक्षेप किया और नारायणा हॉस्पिटल के डॉ उदित त्रिवेदी से बात की और समन्वय कर सरोज देवी के नि:शुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था कराई। अस्पताल प्रशासन ने भी जिलाधिकारी के अनुरोध पर संवेदनशीलता दिखाते हुए बिना किसी शुल्क के इलाज किया।

ऑपरेशन सफल रहा और अब सरोज देवी की स्थिति में तेज़ी से सुधार हो रहा है। डॉक्टरों ने भी स्वास्थ्य लाभ की पुष्टि की है। परिवारजनों ने जिलाधिकारी के साथ ही नारायणा हॉस्पिटल के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह मदद उनके लिए उस वक्त आई, जब वह पूरी तरह असहाय महसूस कर रहे थे।

भगवान गणेश की 'आपत्तिजनक' प्रतिमा देख भड़के लोग, मूर्तिकारों का मुंह किया काला

मध्य प्रदेश के इंदौर में धार्मिक भावनाएं आहत हुई है, जिसके बाद फिर से विवाद खड़ा हो गया। विवाद होने की वजह है पश्चिम बंगाल के मूर्तिकारों द्वारा बनायी गयी गणेश जी की मुर्तियां। इंदौर के खजराना इलाके में आधुनिक शैली में गणेश प्रतिमाएँ देखकर बजरंग दल के लोगों की भावनाएं भड़क गयी और विवाद मारपीट पर उतर आया। बजरंग दल के सदस्यों ने मूर्तियाँ बनाने वाले बंगाली कलाकारों पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप लगाया। कलाकारों के चेहरे काले करके उन्हें खजराना थाने ले गए। पुलिस ने कारीगरों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है ।पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शहर के बंगाली चौराहे के पास भगवान गणेश की प्रतिमाएं बनाने वाले तीन मूर्तिकारों-चंद्रनाथ पाल, रतनलाल पाल और राजू पाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को जान-बूझकर ठेस पहुंचाना) और अन्य संबद्ध प्रावधानों के तहत खजराना पुलिस थाने में रविवार शाम प्राथमिकी दर्ज की गई। यह प्राथमिकी बजरंग दल के विरोध प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई ।अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह ने संवाददाताओं को बताया,''हमें शिकायत मिली थी कि कुछ ग्राहकों के ऑर्डर के आधार पर खजराना क्षेत्र में भगवान गणेश की आपत्तिजनक प्रतिमाएं बनाई जा रही हैं। शिकायत पर तत्परता से कदम उठाकर हमने तीन मूर्तिकारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।''उन्होंने बताया,''हम शहर में देवी-देवताओं की प्रतिमाएं बनाने वाले सभी कलाकारों के साथ बैठक करने जा रहे हैं ।

युवा अधिवक्ता अनुदान 5000 प्रतिवर्ष का वितरण शुरू कराए सरकार-पं रवीन्द्र शर्मा

कानपुर, अधिवक्तागण नवागंतुक युवा अधिवक्ता अनुदान राशि वितरण के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचे जहां पर बोलते हुए पं0 रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने बताया कि प्रदेश सरकार ने नवागंतुक युवा अधिवक्ताओं को नवीनतम विधि व्यवस्थाओं की

जानकारी और उनके उज्जवल भविष्य हेतु बुक्स अनुदान के रूप में वर्ष 2018 से 28 वर्ष तक पंजीकरण के प्रथम 3 वर्ष तक प्रतिवर्ष रु 5000 दिए जाने का शासनादेश जारी किया था और योजना के सुलभ क्रियान्वन हेतु करोड़ों रुपया भी निर्गत किया । आप द्वारा कुछ दिन पूर्व इलाहाबाद में कहा गया की अनुदान राशि वितरित की जा रही है जिसे अखबारों ने प्रकाशित भी किया। जिससे प्रतीत होता है कि दूसरे जिलों में अनुदान राशि वितरित हो रही है। कई नवागंतुको ने अवगत कराया है कि कानपुर में अनुदान राशि का वितरण नहीं हुआ है।

कानपुर के नवागंतुक युवा अधिवक्ता उक्त अनुदान राशि के इंतजार में है। ऐसा लगता है कि योगी सरकार की नवागंतुक युवा अधिवक्ता हितार्थ शुरू की गई ऐतिहासिक योजना को कुछ लोगो द्वारा फेल करने की साजिश की जा रही है इसी कारण अभी तक कानपुर में अनुदान राशि को वितरित नही किया गया है। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह प्राप्त कर कहा कि आपका ज्ञापन तत्काल आवश्यक कार्रवाई हेतु मुख्यमंत्री को भेज दिया जाएगा ।प्रमुख रूप से डी एन त्रिवेदी नवरंग सिंह सजीव कपूर विमल सिंह राकेश सिद्धार्थ इंद्रेश मिश्र शिवम गंगवार वीर जोशी इंद्रेश मिश्रा प्रियम आदि रहे।

कैसे होता है उपराष्ट्रपति का चुनाव

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है. उनके इस अचानक कदम के बाद अब देशभर में ये सवाल उठने लगे हैं कि अब अगला उपराष्ट्रपति कौन बनेगा.

कौन-कौन डालता है वोट?

- भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव **निर्वाचन आयोग** कराता है.
- केवल **संसद** के सदस्य ही वोट डालते हैं.
- लोकसभा के सभी **निर्वाचित सदस्य.**
- राज्यसभा के सभी **निर्वाचित और मनोनित सदस्य.**

वोटिंग की प्रक्रिया

- **आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली** लागू होती है.
- सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम के तहत वोट डाले जाते हैं, यानी सांसद अपने वोट में **प्राथमिकता** के हिसाब से उम्मीदवारों को क्रम देते हैं.
- जिसे सबसे पहले **बहुमत** मिलता है, वो चुना जाता है.

उम्मीदवार बनने के लिये योग्यता

- भारत का नागरिक हो.
- कम से कम **35 वर्ष की उम्र** हो.
- किसी लाभ के पद पर न हो.

कार्यकाल और भूमिका

- भारत में उप-राष्ट्रपति का कार्यकाल **5 वर्ष** का होता है.
- उप-राष्ट्रपति राज्यसभा का **सभापति** होता है.
- राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में **कार्यवाहक राष्ट्रपति** बनता है.

30 जुलाई को विधानसभा पर प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने वीरेन्द्र कुमार को किया है हाऊस अरेस्ट

एक दरोगा व एक सिपाही कि देखरेख में शासन के साथ होने वाली बैठक में जायेंगे वीरेन्द्र कुमार

कानपुर। दिव्यांग महागठबंधन के महासचिव व राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार को पुलिस ने 26 जुलाई कि शाम लगभग 7.30 बजे उनके बर्रा 8 स्थित आवास पर हाऊस अरेस्ट कर लिया। जैसे ही इसकी सूचना राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के पदाधिकारियों व सदस्यों को हुई वो वीरेन्द्र कुमार के आवास पर पहुच कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे और हाऊस अरेस्ट से मुक्त करने की मांग करने लगे। दिव्यांग नारा लगा रहे थे भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए – जीने का अधिकार चाहिए, हम अपना अधिकार मांगते – नहीं किसी से भीख मांगते, हमसे जो टकराएगा – हम जैसा हो जाएगा।

दिव्यांग मांग कर रहे थे कि शासन में होने वाली बैठक में वीरेन्द्र कुमार को जाने कि अनुमति दी जाय।अधिकारियों ने एक दरोगा व एक सिपाही कि देखरेख में वीरेन्द्र कुमार को बैठक में लखनऊ जाने की सहमति दे दी।ज्ञात हो कि दिव्यांग महागठबंधन ने 30 जुलाई को मुख्यमंत्री कार्यालय विधानसभा लखनऊ में दिव्यांग महागठबंधन द्वारा नौकरी रोजगार स्वास्थ शिक्षा सुरक्षा की सौ फीसदी गारंटी , दिव्यांग पेंशन पांच हजार रुपए व 27 सूत्री मांग को लेकर प्रदर्शन आयोजित किया है। 28 जुलाई को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव से वार्ता होनी है।इधर सरकार अधिकारियों से वार्ता कर रही है और उधर महासचिव वीरेन्द्र कुमार को हाऊस अरेस्ट कर लिया है।

जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारियों को जेल में डालकर सरकार आन्दोलन कुचलना चाहती है तो ये सरकार कि भूल है। उत्तर प्रदेश के 54 लाख दिव्यांगजन अब जागरूक हो गये हैं। आप सौ दो सौ लोगों को रोकेंगे। हजारों दिव्यांगजन सड़कों पर नजर आएंगे। महिला मोर्चा की अध्यक्ष अल्पना कुमारी ने कहा कि हम पुलिस का उत्पीड़न कतई बर्दास्त नहीं करेंगे। अपने अधिकार के लिए सरकार से लड़ेंगे।प्रदर्शन करने वालों में जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्पना कुमारी, गुड्डी दीक्षित, अरविंद सिंह, कमलेश कुमार, जितेंद्र गुप्ता, रंजीत कुमार, राहुल विश्वकर्मा, कर्मेंद्र कुमार, वैभव दिक्षित, धीरेंद्र केसरवानी, राजा, सरला, गोमती वर्मा, राम जानकी, सोनी आदि शामिल थे।

व्यापारियों से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जाए समाधान: जिलाधिकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला व्यापार बंधु की बैठक आयोजित हुई, जिसमें व्यापारियों से प्राप्त सुझावों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यापार से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

व्यापारियों ने अवगत कराया कि बारिश के दिनों में लाजपत नगर, रणजीत नगर, गुमटी नंबर पांच, कौशलपुरी, संत नगर कबाड़ी मार्केट, जेके मंदिर मार्ग, सर्वोदय नगर और गुरु नानक स्कूल मार्ग सहित कई इलाकों में जलभराव और जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे आवाजाही घंटों प्रभावित रहती है। इस पर जिलाधिकारी ने नगर निगम को ठोस कार्यवाही करने को कहा।

बाबूपुरवा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में बरसाती पानी की निकासी की समस्या पर उन्होंने डीपीआर तैयार कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।व्यापारियों ने शहर के प्रमुख चौराहों पर भीख मांगने की समस्या उठाई, जिससे ट्रैफिक सिग्नल बंद होने पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि यह एक गंभीर सामाजिक चुनौती है, जिसे केंद्र सरकार की स्माइल योजना के तहत चरणबद्ध रूप से सुलझाया जाएगा और पुनर्वास की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। मूलगंज, अफीम कोठी और डिप्टी पड़ाव जैसे स्थानों पर वर्षों से बंद पड़ी ट्रैफिक लाइट को हटाने की मांग पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इस संबंध में यथोचित कार्रवाई की जाएगी।शास्त्री नगर बाजार में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट की अनुपलब्धता और प्रमुख व्यावसायिक स्थलों पर अतिक्रमण की समस्या भी बैठक में प्रमुखता से उठाई गई, जिस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में डीसीपी रविंद्र कुमार, संयुक्त आयुक्त देवेंद्र सिंह, उपायुक्त अफसर हुसैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पर्यावरण, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता पर केंद्रित कार्यक्रमों की रूपरेखा तय

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, कानपुर प्रांत की बैठक में पर्यावरण, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता पर केंद्रित कार्यक्रमों की रूपरेखा तय मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, कानपुर प्रांत की एक महत्वपूर्ण बैठक आज चमनगंज स्थित कार्यालय में प्रांत संयोजक अशफ़ाक सिद्दीकी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की औपचारिक अध्यक्षता सबीहा खान ने की।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति से जुड़े आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तय की गई।प्रमुख निर्णय इस प्रकार रहे-

पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत 卐माँ के नाम एक पेड़卐 अभियान के तहत पार्कों और कब्रिस्तानों में वृक्षारोपण किया जाएगा, जिससे न केवल पर्यावरण को संरक्षित किया जा सकेगा, बल्कि मातृ सम्मान को भी एक नई दिशा मिलेगी।रक्षाबंधन के अवसर पर भाईचारे और एकता को बढ़ावा देने हेतु विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें बहनें देश की रक्षा के लिए समाज को जागरूक करने का संदेश देंगी।स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

आगामी 27 सितंबर को दिल्ली में प्रस्तावित राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर भी रणनीति बनाई गई। मंच के कार्यकर्ता अधिक संख्या में दिल्ली पहुँचकर प्रांत का प्रतिनिधित्व करेंगे।बैठक में विशेष रूप से उपस्थित महताब आलम, सईद आलम, वासिफ, एडवोकेट शोएब अहमद, एवं अन्य सम्मानित कार्यकर्ता।

विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा किया गया सात अज्ञात अस्थि कलशों का पूजन

कानपुर।जिनकी अज्ञात मृत्यु हुई और कोई जल देने वाला तक न था उन्हीं अज्ञात अस्थि कलशों का जब स्वयं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधिवत पूजन किया तो समाज का एक उज्ज्वल मानवीय पक्ष सामने आया जिसकी सबने सराहना की। ज्ञातव्य है कि

युग दधीचि देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर ने वर्ष 2014 में विद्युत शव दाह गृह भैरो घाट में अस्थि कलश बैंक की स्थापना की थी जिसमें लोग अपने प्रियजनों के अस्थि कलश कुछ समय रख कर वापस विसर्जन हेतु ले जाते हैं यह व्यवस्था निशुल्क है।

इसी में प्रति वर्ष कुछ कलश ऐसे होते हैं जिनका कोई लेने वाला नहीं होता इनका विसर्जन संस्था करती है, इसी प्रकार के सात अस्थि कलशों का पूजन करते हुये सतीश महाना ने कहा कि सनातन धर्म में अनजान शवयात्रा को भी प्रणाम करते हुए सम्मान देने का विधान है ऐसे में अज्ञात ही सही इन अस्थि कलशों का विधिवत पूजन, विसर्जन हमारा धर्म और कर्तव्य भी है। संस्था की महा सचिव माधवी सेंगर ने बताया कि अब तक 120 कलशों का विसर्जन संस्था द्वारा किया जा चुका है।

पूजित किए गए कलशों का विसर्जन अगले माह पितृपक्ष में किया जाएगा, यहाँ दिवंगतों की मोक्ष प्राप्ति हेतु महा मृत्युंजय यज्ञ भी किया गया जिसमें प्रमुख रूप से पं. शेष नारायण त्रिवेदी पप्पू, पं. सुमित मिश्र, आयकर अधिकारी शरद प्रकाश अग्रवाल, अनिल राय, सुधीर महाना, अनिल गुजराल ने आहुतियाँ प्रदान की। अतिथियों का स्वागत रविकान्त तिवारी, प्रकाश धवन, शान्ति भूषण यादव ने किया। व्यवस्था प्रबन्धन सीमा अग्रवाल द्वारा किया गया, कार्यक्रम का संयोजन-संचालन मनोज सेंगर ने एवं आभार माधवी सेंगर ने व्यक्त किया। समापन वैदिक शान्ति पाठ के साथ किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने की संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की जांच

कानपुर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा डीएचएस की बैठक में सीएमओ को संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा दस्तक अभियान के क्रियान्यवन की जमीनी हकीकत जांचने तथा कार्य में रुचि नहीं लेने वाली आशा, एएनएम को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। जिसके क्रम में सीएमओ के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने वृहद जांच अभियान संचालित किया।डीएम द्वारा दिये गए निर्देशों के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.हरिदत्त नेमी ने अपराह्न 2-50 बजे गीता नगर स्थित डीटीसी का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम और दस्तक अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई।निरीक्षण में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि छोटा लखनपुर की रजनी शुक्ला, भीमनगर की रंजना दीक्षित व स्वराज नगर की शोभा खरवार अभियान में लापरवाह पाई गई हैं। इन क्षेत्रों में न भ्रमण किया जा रहा है, न लोगों को जानकारी दी जा रही है।सीएमओ ने निर्देश दिए कि संबंधित आशाओं को सचेत किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वे रोज भ्रमण कर जरूरी जानकारी लोगों को दें।

सभी लोगों को श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन कार्यालय-130/ 4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

एक्सपोज टैटू रिमूवल ट्रेनिंग द्वारा 51 हजार महादेव के टैटू निःशुल्क बनाए जायेगें

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित एक्सपोज टैटू रिमूवल ट्रेनिंग के स्वामी फराज जावेद ने बताया कि मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है कि सावन के पवित्र महीने पर महादेव के 51000 फ्री टैटू जिसकी लागत करीब सात करोड़ है पूरे सावन के महीने में फ्री बनाए जायेगें। इसके अलावा अन्य शिव टैटू पर पचास प्रतिशत की छूट भी दी जायेगी। इस संकल्प के माध्यम से कानपुर की ओर से पूरे देशवासियों को सावन मास की शुभकमानाएं देता हूँ और सभी को आमंत्रित करता हूँ। हिन्दू मुस्लिम एकता की मिसाल कायम रखते हुए समाज में यह संदेश पहुंचाना है कि हम सब भाई-भाई हैं और हमेशा साथ मिलकर रहेंगें। हर मजहब जोड़ना सिखाता है तोड़ना नही।

अपनी संस्था एवम् कला के माध्यम से दो समाज को भ्रमित होते हिन्दू मुस्लिम को एक कर नफरत को खत्म करना है। एक मुसलमान होने के नाते यह मेरा सौभाग्य होगा कि रमजान की तरह सावन के इस पवित्र महीने में मैं कुछ योगदान कर सकूँ। बिना किसी शुल्क के आज ही शॉप आकर रजिस्ट्रेशन करवा लें। वही सभी मीडिया बंधुओं से निवेदन है कि मेरी सोच को मेरे संकल्प के जरिये पूरे देश तक पहुंचाया जाये जिससे आपस में मोहब्बत की लहर चले और गंगा यमुना तहजीब कायम हो। ऐसी पवित्र मुहीम के जरिये हमारे शहर कानपुर का नाम पूरे भारत में रोशन हो।

सभी लोगों को श्रावण मास की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।